बर्षः- 05
अंकः- 265
मुरादाबाद
(Friday)
16 January 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक
प्रातः कालीन
क्यूँ न लिखूँ सच
मुरादाबाद से प्रकाशित

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

त्रिवेणी पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भारी भीड़, 54 लाख लोगों ने लगाई डुबकी

माघ मेला 2026 के दूसरे प्रमुख स्नान पर्व मकर संक्रांति पर आज संगम तट पर श्रद्धालुओं और कल्पवासियों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी है। यह आस्था का विराट समागम है, जहां साधु-संत, कल्पवासी और आम श्रद्धालु एक साथ संगम की पवित्र धारा में डुबकी लगा रहे हैं। माघ मेले को लेकर माघ मेला पुलिस सुपरिटेंडें नीरज पांडे ने कहा कि तीर्थयात्रियों की सुरक्षा और भीड़ को आसानी से मैनेज करने के लिए मेले के पूरे इलाके में 10,000 से ज्यादा

पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। उन्होंने आगे कहा कि भीड़ और ट्रैफिक को अच्छे से मैनेज करने के लिए इस साल 42 अस्थायी पार्किंग बनाई गई हैं।

जिनमें एक लाख से ज़्यादा गाड़ियां खड़ी की जा सकती हैं। उन्होंने यह भी बताया कि माघ मेला 2025-26 के लिए कई घाट बनाए गए हैं, जिनमें भक्तों के लिए चेंजिंग रूम सहित सभी जरूरी सुविधाएं हैं।

स्थानीय पुजारी रविशंकर मिश्रा ने कहा कि मकर संक्रांति सूर्य की उत्तर दिशा की यात्रा (उत्तरायण) की शुरुआत का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि सूर्योदय से सूर्यास्त तक का समय बहुत शुभ माना जाता है, और इस दिन सूर्य देव की पूजा और गायत्री मंत्र का जाप विशेष रूप से फलदायी माना जाता है। एक और स्थानीय निवासी प्रीति ने कहा कि मकर संक्रांति पर संगम में स्नान करने का अनुभव असाधारण था और उन्होंने प्रशासन द्वारा की गई व्यवस्थाओं की तारीफ की। हैदराबाद से अपने परिवार के साथ आए

एक वकील ने माघ मेले में साफ-सफाई, सुविधाओं और पुलिस व्यवस्था की तारीफ की। उन्होंने कहा कि हम किसी खास मांग या प्रार्थना के साथ नहीं आए हैं। भगवान ने मुझे और मेरे परिवार को काफी कुछ दिया है। हम सिर्फ आभार व्यक्त करने आए हैं। स्

थानीय निवासी गौरी ओझा ने कहा कि वह खुद को भाग्यशाली मानती हैं क्योंकि उन्हें हर साल संगम में डुबकी लगाने का मौका मिलता है। उन्होंने कहा कि प्रयागराज की निवासी होने के नाते, मैं खुद को धन्य महसूस करती हूं कि मैं माघ मेले के दौरान संगम में स्नान कर सकती हूं। आज के स्नान का महत्व सूर्य के उत्तरायण में प्रवेश करने से और बढ़ जाता है। ओझा ने आगे बताया कि वह वाराणसी से पानी का एक खास बर्तन लाई थीं और उन्होंने संगम का पानी भी इकट्ठा किया था,

जिसे वह बाद में भगवान शिव को चढ़ाएंगी। उन्होंने यह भी कहा कि महिलाओं के लिए सुविधाएं काफी बेहतर हुई हैं। उन्होंने आगे कहा कि घाटों पर अब चेंजिंग रूम उपलब्ध हैं, जो कुछ साल पहले नहीं थे। पहले महिलाओं और लड़कियों को दिक्कतें होती थीं, लेकिन अब व्यवस्थाएं बहुत बेहतर हैं। लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि कुछ लोगों को घाटों पर इस्तेमाल किए गए कपड़ों और दूसरी चीजों का सही तरीके से निपटान भी सुनिश्चित करना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

अक्षय कुमार के पैर छूकर बच्ची ने लगाई मदद की गुहार, बोली- पापा कर्जे में हैं; एक्टर ने दिया ऐसा रिएक्शन

गुरुवार को अभिनेता अक्षय कुमार बीएमसी चुनाव में मतदान करने पहुंचे। इस दौरान एक बच्ची ने उनसे मुलाकात की और आर्थिक मदद के लिए गुहार लगाई। देश की सबसे समृद्ध महानगरपालिका बृहन्मुंबई महानगरपालिका यानी बीएमसी के लिए आज गुरुवार को मतदान हो रहा है। अक्षय कुमार से लेकर नाना पाटेकर और तमन्ना भाटिया तमाम सेलेब्स भी वोट डालने पहुंचे हैं। अक्षय कुमार जब वोट डालने पहुंचे तो इस दौरान एक बच्ची ने उनसे आर्थिक मदद की गुहार लगाई। इस दौरान अक्षय कुमार ने क्या कहा? जानिए अक्षय से बच्ची ने मांगी मदद, कहा पापा कर्जे में हैं अक्षय कुमार ने आज गुरुवार को मतदान शुरू होते ही मुंबई के गांधी शिक्षण भवन में बने मतदान केंद्र में मतदान किया। इस दौरान एक बच्ची एक्टर के पास पहुंची। हाथ में एक पर्चा लिए उसने अक्षय कुमार से कहा, मेरे पापा बहुत बड़े कर्जे में हैं, प्लीज उनको बाहर निकाल दो। अक्षय कुमार ने ठहरकर बच्ची की बात सुनी। इस दौरान सुरक्षाकर्मियों ने बच्ची को रोका। मगर, अक्षय कुमार ने बच्ची से कहा, आप अपना नंबर दे दो, ऑफिस आ जाना। इसके बाद बच्ची ने एक्टर के पैर छुए, मगर अभिनेता ने उसे रोक दिया नेटिजन्स बोले- मदद की तो आपका दिल से शुक्रिया- अक्षय कुमार का यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है

सनातन धर्म की ध्वजा बुलंद किया;अमित शाह ने लॉन्च की आदिशंकराचार्य की गुजराती ग्रंथावली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि आदि शंकराचार्य ने भारतीय पहचान की स्थापना की, और सुनिश्चित किया कि सनातन धर्म का ध्वज चारों दिशाओं में ऊंचा लहराए। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को कहा कि आदिशंकराचार्य ने भारतीय पहचान स्थापित की और सनातन ध्वज चारों दिशाओं में बुलंद किया। शाह ने यह बात आदिशंकराचार्य की ग्रंथावली (गुजराती में प्रकाशित) लॉन्च करने के बाद की सभा में कही। उन्होंने कहा कि यह 15 खंडों में प्रकाशित ग्रंथावली गुजरात के युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी और उनके जीवन और कार्य पर गहरा प्रभाव डालेगी। शंकराचार्य ने सम्पूर्ण देश की पैदल यात्रा की- अमित शाह

अमित शाह ने कहा इन ग्रंथों में आप उस समय के समाज में उठ रहे सभी प्रश्नों के समाधान पाएंगे।

उन्होंने आदिशंकराचार्य की यात्रा और योगदान को याद करते

हुए कहा कि बहुत कम लोग इतने कम जीवन में इतना बड़ा योगदान दे पाते हैं। आदिशंकराचार्य पैदल पूरे देश में घूमे और उन्हें चलती-फिरती विश्वविद्यालय कहा जा सकता है। शाह ने बताया कि उन्होंने केवल यात्रा ही नहीं की, बल्कि चारों दिशाओं में मठ स्थापित किए, ज्ञान केंद्र बनाए और सनातन धर्म का झंडा ऊंचा रखा। उन्होंने कहा कि आदिशंकराचार्य के मठ सिर्फ धार्मिक केंद्र नहीं बने, बल्कि उन्होंने वेदों का वितरण और संरक्षण सुनिश्चित किया, ताकि ज्ञान की परंपरा स्थायी रूप से संरक्षित और प्रसारित हो।

शंकराचार्य ने सभी सवालों के दिए तार्किक जवाब

केंद्रीय मंत्री ने यह भी कहा कि अपने जीवनकाल में आदिशंकराचार्य ने बौद्ध, जैन, कपालिक और तांत्रिक परंपराओं के उदय के बीच सनातन धर्म से जुड़े प्रश्नों और शंकाओं का तार्किक उत्तर दिया। शाह ने आगे कहा आदिशंकराचार्य ने केवल विचार नहीं दिए, बल्कि भारत को विचारों का संलयन, ज्ञान का स्वरूप और मोक्ष का मार्ग भी दिखाया। इस ग्रंथावली का प्रकाशन सास्तु साहित्य मुद्रालय ट्रस्ट द्वारा किया गया है और संपादन गौतम पटेल ने किया है।

मायावती का 70वां जन्मदिनः कहा - ब्राह्मणों को चोखा - बाटी नहीं सम्मान चाहिए, शॉर्ट सर्किट के कारण पीसी रोकी

बसपा सुप्रीमो मायावती ने अपना 70वां जन्मदिन लखनऊ में मनाया। इस मौके पर पत्रकार वार्ता में उन्होंने भाजपा सहित बाकी पार्टियों पर हमला किया। अपने जन्मदिन पर पत्रकारों को संबोधित करते हुए बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा कि सभी सरकारें बसपा द्वारा ही चलाई जा रही योजनाओं का नाम बदलकर चला रही हैं। उन्होंने कहा कि विरोधियों ने भ्रम फैलाकर बसपा को तोड़ने की कोशिश की है। कांग्रेस, बीजेपी सहित अन्य जातिवादी पार्टियां अलग-अलग हथकंडे अपना रही हैं। इनको मुंहतोड़ जवाब देकर यूपी में पांचवीं बार बसपा की सरकार बनानी है। उन्होंने कहा कि शीतकालीन सत्र में बीजेपी और कांग्रेस के विधायक अपनी उपेक्षा से नाराज होकर जुटे थे। बसपा ने ब्राह्मण को भागीदारी दी। ब्राह्मणों को किसी का चोखा बाटी नहीं चाहिए। ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य समाज का बसपा सरकार पूरा ध्यान रखेगी। बसपा ने हमेशा ही उनका सम्मान किया है। बसपा ऐसी पार्टी है जिसने सभी जातियों और धर्मो का सम्मान किया है। सरकारों

पर आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि कांशीराम के मरने पर राष्ट्रीय शोक नहीं घोषित किया। उनकी उपेक्षा की गई। दूसरी जातियों के साथ मुस्लिम समाज के साथ अन्याय हो रहा। बसपा सरकार में दंगा फसाद नहीं हुआ। हमारी सरकार में यादवों का भी ध्यान रखा गया। मायावती ने कहा कि इस बार के विधानसभा चुनाव में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। वर्तमान में सभी समाज दुखी हैं और वह बसपा की सरकार चाह रहे हैं। इस बार गुमराह नहीं होना है। ईवीएम में धांधली और बेइमानी की चर्चा है। ये व्यवस्था कभी भी खत्म हो सकती है। एसआईआर की काफी शिकायतें है। इससे हमें सजग रहना होगा। गठबंधन से बसपा को नुकसान होता है। खासकर अपर कास्ट का वोट जातिवादी पार्टियों को मिलता है। तभी सारी पार्टियां हमसे गठबंधन चाहती हैं। भविष्य में बसपा सभी चुनाव अकेले लड़ेगी। आगे जब अपर कास्ट का वोट हमें मिलने का भरोसा हो जाएगा, तब गठबंधन करेंगे लेकिन इसमें अभी बरसों लगेंगे। शार्ट सर्किट होने से रोकी गई प्रेस कॉन्फ्रेंस- मायावती की प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान शार्ट सर्किट से हाल में अफरातफरी मच गई। इस पर प्रेस कॉन्फ्रेंस रोक दी गई और सुरक्षाकर्मी बसपा सुप्रीमो को बाहर लेकर चले गए।

सोनू कश्यप हत्याकांडः परिवार से मिलने जा रहे कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय को रोका, पुलिस ने सीमा से लौटाया

सोनू कश्यप के परिजनों से मिलने जा रहे कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय को पुलिस ने भंगेला बॉर्डर पर रोककर वापस भेज दिया। कांग्रेस ने इसे लोकतंत्र पर हमला बताया। मुजफ्फरनगर जनपद में सोनू कश्यप हत्याकांड के पीड़ित परिजनों से मिलने जा रहे कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय को जिला सीमा पर ही रोक दिया गया।

पुलिस ने खतौली के भंगेला चेकपोस्ट पर उन्हें जिले में प्रवेश करने से मना कर दिया और मेरठ की ओर वापस भेज दिया। भारी पुलिस बल तैनात, चेकपोस्ट पर सख्ती- अजय राय के मुजफ्फरनगर पहुंचने की सूचना पर जिला प्रशासन ने बॉर्डर पर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात कर दिया था। पुलिस प्रशासन का कहना है कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए किसी भी बाहरी व्यक्ति को फिलहाल जिले में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जा सकती। कांग्रेस कार्यकर्ताओं का विरोध प्रदर्शन- अजय राय को रोके जाने के बाद मौके पर मौजूद कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया और सरकार के

खिलाफ नारेबाजी की। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि सरकार विपक्षी नेताओं को पीड़ित परिवारों से मिलने से रोककर जनता की आवाज दबाने का प्रयास कर रही है। राजनीति में तेज हुई

गहमागहमी- इस घटना के बाद प्रदेश की राजनीति में हलचल तेज हो गई है। कांग्रेस ने इसे लोकतंत्र पर सीधा हमला बताया है। वहीं, दूसरी ओर कौशल विकास राज्यमंत्री कपिल देव अग्रवाल ने मामले में जिलाधिकारी उमेश मिश्रा और एसएसपी संजय वर्मा से बातचीत की है। पीड़ित परिवार को मदद के निर्देश- राज्यमंत्री कपिल देव अग्रवाल ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि सोनू कश्यप के पीड़ित परिवार को हर संभव मदद उपलब्ध कराई जाए और मामले में संवेदनशीलता के साथ कार्रवाई की जाए। ये है पूरा मामला-रोहित कश्यप उर्फ सोनू जिला मुजफ्फरनगर के निवासी आबकारी मोहल्ला का रहने वाला था। वह मुजफ्फरनगर से मेरठ अपनी रिश्तेदारी में सरधना विधान सभा के गांव ज्वालागढ आ रहा था। जिस टेंपो में वह बैठा था उसके चालक को रोहित के पास पैसों की जानकारी हो गई। इस कारण टेंपो चालक की नीयत में खोट आ गया और लालचवश अपने साथियों को बुलाकर रोहित की हत्या कर शव जला दिया। इस घटना से कश्यप समाज में आक्रोश है।

संपादकीय Editorial

Uneasy Panchayat Elections

The government's conscience is at stake in the court's landmark decision, while the world is preoccupied with a list of admonitions. Who is the big man here, and who is the biggest issue in Himachal Pradesh, upholding the law? Clearly, the Honorable High Court has elevated its decision by directing the Himachal government to hold elections for Panchayati Raj institutions before April 30th. This way, will the Election Commission gain the key to unlocking all the locks of the electoral process, or will it be too late to turn this into a one-sided test? The State Election Commissioner can keep a close eye on the preparations, but if the instruments of government remain inactive, who will play the harp of the exercise? However, what is being witnessed is not so beautiful or ordinary that an election tent should be set up. Himachal has witnessed the wounded feet of relief on the rough roads of disaster, and has also witnessed that politics does not begin to share responsibility even in the state's best interests. In such a situation, politics will want to write many things on the announced plank of Panchayati Raj elections. The government's response to the court's decision is unreliable, and therefore, further clarity on the legal text will emerge only when administrative action is taken. How Panchayat elections are exempted from the Disaster Management Act, in effect since October, will remain a point of contention. Through its observations, the court has identified several unrealistic flaws in the government's intentions. For example, the Election Commission has neither been consulted nor consulted, demonstrating no clarity. The court has seriously addressed not only the shortcomings of the government's position on the fundamental issues, but also laid out alternatives, solutions, and guidelines. It appears that the court has some reservations about the government's statements and, citing these concerns, seeks a commitment to the government's commitment to ensuring direct elections by limiting pending school board examinations, census, re-demarcation, and reservation rosters. Although the government has prioritized Panchayat elections for April-May, the wheels of law have now been thrown onto the road of disaster-related arguments. Clearly, the directive to hold Panchayat elections has given the opposition moral ground to intensify its struggle. The BJP, which has already built castles in the air by organizing a few events and occupying administrative positions, will now have an opportunity to refine its rural or grassroots politics in light of this decision. The court also submitted a blueprint for the Panchayat elections, requiring all administrative preparations to be completed by February 28th. The division bench of Justice Vivek Singh Thakur and Justice Romesh Verma removed obstacles to school annual examinations and suggested that departmental employees could be employed instead of teachers. Thus, strict legal guidelines have been issued to remove the cloud hanging over the elections of approximately 3,577 Panchayats, Panchayat Samitis, and Zila Parishads. The government will evaluate its responsibilities, priorities, and traditions behind the provisions of the Disaster Act. In the face of changing weather, the busy schedule of school examinations, and the scarred roads, the court order provides an opportunity to determine whether the time has come for offerings in this democratic yagya. For now, there appears to be some disconnect between the government's vows and the legal decisions. If the government wants to relocate certain offices, the legal framework kicks in. In this context, the disconnect between the government's insistence and the legal scrutiny is clear.

Fighting Air Pollution, States Decide to Remain Active Throughout the Year

The Delhi-NCR states have decided to remain active year-round, starting January 15th, to combat air pollution, with monthly reviews. Current measures are proving inadequate. The article emphasizes that this problem is not limited to Delhi-NCR alone, but across North India. All states should make such sustained efforts. Public awareness and pressure on public representatives are also essential for pollution control. The Delhi-NCR states will become active year-round, starting January 15th. Monthly reviews will be conducted to combat air pollution. All of North India needs sustained measures. It is welcome that, albeit late, all the states in Delhi and NCR have decided to remain active year-round to combat air pollution. This should yield positive results, but only if the states in Delhi and the NCR truly strive to prevent air pollution year-round. It is difficult to understand why this need has not been recognized until now. The current situation is that when air pollution becomes severe, individual states take action to address it at their own levels. This action remains ineffective. It's no secret that Delhi-NCR is currently plagued by air pollution, and all measures being taken to combat it are proving inadequate. Amid the dire situation, the states of Delhi and NCR have submitted a plan to the Union Ministry of Environment and Forests and the Air Quality Management Commission to work on year-round anti-pollution measures to manage air quality. Under this plan, all states will begin air pollution control work on January 15th, which will continue throughout the year. The good news is that these actions will be reviewed monthly. Despite all this, the question remains: why have only Delhi and its neighboring states stepped forward to address air pollution? Every state, especially those in North India, should be taking this action. Air pollution is not just a Delhi-NCR problem, even though it is often discussed. The truth is that almost all the states in North India are now suffering from air pollution during the winter. This has led to India being ranked among the countries with the most polluted air. It would be appropriate for the Union Ministry of Forest and Environment to urge all states to work on a year-round air pollution control plan. It's difficult to predict the results of the 12-month-long efforts made by the states of Delhi and NCR to combat air pollution. However, it should be understood that air pollution can only be eradicated when the general public is aware of its potential and willing to contribute. People must pressure their representatives to take air pollution seriously, which is proving fatal. They must also pressure municipal bodies, as they are unable to address the local causes that contribute to air pollution.

JNU must be free from intellectual depression.

The current crisis at JNU is a symptom of a deeper intellectual depression. The protesters must understand that the right to protest is not above the collective conscience of the people of the country. The imagined fear of an emergency is a cover for those who have lost the courage to engage in democratic dialogue. JNU student politics is challenging constitutional institutions. The university should adhere to constitutional norms, not an ideological battleground. The promotion of anti-national slogans with taxpayer funds is unacceptable. What recently happened at Jawaharlal Nehru University (JNU) is not merely a student political upheaval. It represents a major divergence between the reality of the Indian Republic and the long-standing rigidity of the campus. The way the gathering near the Sabarmati hostel devolved into violent sloganeering is not surprising. It is a manifestation of a sick mentality that has become accustomed to challenging constitutional institutions on the streets rather than accepting their decisions. The university administration has called it a "laboratory of hatred." In reality, this is a failure of the academic left, which even today seems unable to hear the call of time. In this era of strong electoral mandates, "sham rebellion" has lost its relevance. Universities are not bastions of any ideology, but public institutions governed by the Constitution. Their responsibility is not merely to raise questions but also to cultivate wisdom within constitutional boundaries. When a campus transforms itself into an ideological battlefield, it loses its constitutional identity. There is a place for resistance in democracy, but it should be within institutional balance, not against it. Here, there is no policy opposition, but a direct challenge to the Supreme Court's decision. When student politics begins to portray the court as a tool of power, even the last neutral ground of the republic becomes vulnerable. This is not dissent, but an erosion of constitutional trust. In such a situation, democracy becomes merely an arena of conflict. The judicial decision on the bail pleas of Umar Khalid and Sharjeel Imam was based on evidence, but a section of JNU students declared it "injustice." They have brought the institution to justice. When student organizations raise indecent slogans against the country's top leadership, it's no longer an ideological difference. It's a disrespect of the Constitution's core spirit. Sympathy for an individual is one thing, but treating the judicial process as an enemy is an attack on the integrity of the judiciary. In a democracy, dissent belongs in the courts, not in provocations on the streets. If student politics considers itself above the judiciary, it's a grave concern for the republic. Institutions like JNU are run by the hard-earned money of ordinary citizens. This is a moral contract with society. Criticism is legitimate within this contract, but insulting the nation's legitimacy is unacceptable. Expecting taxpayers to fund slogans that are designed to destroy themselves is untenable in any society. This demand for accountability is not repression, but a democratic necessity. The greatest enemy of academic freedom is not administrative control, but ideological monopoly. When one viewpoint is elevated to moral pedestal and others are viewed with suspicion, campuses automatically become intolerant. Institutions erode not through repression, but through uniformity of opinion. Diversity should exist not only in the curriculum but also in the discourse. No mature democracy allows its institutions to become platforms for emotional outbursts against the nation. The most overlooked impact of violent campus politics falls on students who have come to study, not to shout slogans. First-generation students, young people from rural backgrounds, and students with limited resources are the most affected. Their silence is not consent, but compulsion. If the university does not protect their aspirations, it fails in its social responsibility. The trend of "permanent agitation" on campuses is causing academic erosion. When identity becomes defined by protests rather than studies, students' futures are at stake. In the long run, this hollows out the institution from within. Consider the global landscape. Even developed democracies have set limits on expression. In France, arrests are made for supporting terrorist groups. In the United States, speeches inciting violence are not protected. So why expect India to remain silent in the face of language that attacks its very existence? No liberal society in the world tolerates calls to undermine the integrity of the nation. India cannot be an exception to this global order. The use of words like "Emergency" and "Fascism" is now creating a moral fatigue in society. The current crisis at JNU is a symptom of a deep intellectual depression. The protesters must understand that the right to protest is not above the collective conscience of the people of the country. The imagined fear of an Emergency is a cover for those who have lost the courage for democratic dialogue. If JNU is to salvage its reputation, it must abandon ritualistic politics. It must become a center of innovation rather than a laboratory of hatred. The time has come for campus politics to accept democratic responsibilities.

Trump's threat to Iran, the US President's complete lack of control

Naturally, the Iranian people are against this as well. If the Iranian regime wants to avoid US intervention, it will have to change its attitude. Whether this will happen or not is unknown, but India must remain vigilant about the deteriorating situation in Iran, as it has significant interests there. The new signals of military intervention in Iran by US President Donald Trump make it clear that he has become completely unbridled after the attack on Venezuela. His arbitrariness is increasing because the US military's attack on Venezuela did not receive unanimous opposition and resistance from the international community. Four years ago, when Russia invaded Ukraine, the US and its allies accused it of ignoring international rules and regulations. These accusations have been repeated repeatedly over the past four years, but now Trump is acting as arbitrarily as Russian President Putin. It is clear that his attitude will only further destabilize and unsettle the world. It is true that the people of Iran are on the streets against the radical Islamic regime and are being treated harshly, but this situation does not permit the US or any other country to intervene militarily. If any intervention is necessary in Iran, it must be carried out with the consent and under the leadership of the United Nations. It is also essential that the Iranian rulers, and especially the Supreme Leader Ayatollah Khamenei, who holds power there, understand that the situation cannot be improved by suppressing their people. The reasons for the Iranian people taking to the streets cannot be ignored. They are severely distressed by rising inflation. Iran's economic situation has deteriorated because the US has imposed strict sanctions on Iran on the grounds that it is attempting to develop nuclear weapons. Israel is also suspicious of such attempts by Iran and launched an attack there a few months ago for this reason. The US also supported Israel in this attack. It wouldn't be surprising if the US and Israel once again encircled Iran, but this would only worsen the situation in West Asia. Iran is already economically devastated by US sanctions. Ironically, despite this, it continues to provide financial and military support to organizations like Hezbollah and Hamas, as well as the Houthi rebels in Yemen. Naturally, the Iranian public is opposed to this as well. If the Iranian regime wants to avoid US intervention, it will have to change its attitude. Whether this will happen or not is unknown, but India must remain vigilant about the deteriorating situation in Iran, as it has significant interests there.

थाना जलाने की धमकी देने वाला बजरंग दल नेता गिरफ्तार, वीडियो हुआ था वायरल

रामपुर । केमरी थाने में पुलिसकर्मियों से अभद्रता और थाने में आग लगाने की धमकी देने के आरोप में बजरंग दल के एक नेता को पुलिस ने बुधवार को गिरफ्तार कर लिया। 11 जनवरी को बजरंग दल नेता का थाने में धमकी देते हुए वीडियो वायरल हुआ था। पुलिस ने आरोपी को तीसरे दिन गिरफ्तार कर उसका चालान कर दिया है, जबकि एक आरोपी अभी फरार है। वायरल वीडियो में बजरंग दल नेता सूरज पटेल अपने साथी बालेंद्र के साथ थाने के अंदर पुलिसकर्मियों से अभद्रता करते और थाने में आग लगाने की धमकी देते हुए दिखाई पड़ रहे हैं। यह पूरा मामला थाने में बंद व्यक्ति से मिलने को लेकर शुरू हुआ था। थानाध्यक्ष हिमांशु चौहान ने बताया कि सूरज पटेल बिना किसी पूर्व अनुमति या औपचारिक प्रक्रिया के सुहेल नामक बंदी से मिलने थाने पहुंचा था। ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों ने उन्हें संबंधित विवेचक या दरोगा से संपर्क करने को कहा। जिससे वह नाराज हो गए। आरोप है कि इसी दौरान सूरज पटेल ने पुलिसकर्मियों के साथ अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया और थाने में आग लगाने जैसी गंभीर धमकी दी। इस पूरी घटना का किसी व्यक्ति ने मोबाइल फोन से वीडियो बना लिया, जो बाद में सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। थानाध्यक्ष हिमांशु चौहान ने बताया कि चिड़ियाखेड़ा गांव निवासी मुख्य आरोपी सूरज पटेल को गिरफ्तार कर लिया गया है और विधिक कार्रवाई की जा रही है। उनके साथी बालेंद्र अभी फरार हैं। थाने में तैनात उप निरीक्षक सुमित कुमार ने इन दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। दूसरे दिन आरोपी ने मांगी थी माफी- वीडियो के वायरल होने के बाद पुलिस कार्रवाई की आशंका के बीच दूसरे दिन सूरज पटेल ने माफीनामे के साथ वीडियो जारी किया। इसमें उन्होंने कहा कि उन्होंने आवेश में आकर आपत्तिजनक शब्द कह दिए थे और उनकी किसी को धमकाने या कानून व्यवस्था बिगाड़ने की कोई मंशा नहीं थी। उन्होंने पुलिस और आमजन से माफी भी मांगी थी। लेकिन मामले मे कई पार्टियों के नेताओं ने सोशल मीडिया पर वीडियो डाली थी, इसके बाद पुलिस ने मामले में गिरफ्तारी की कार्रवाई की।

ग्राम पंचायतों में ऑडिट के नाम पर चल रही घूसखोरी, ऑडिटर संघ का प्रदेश अध्यक्ष गिरफ्तार, ऐसे चलता था खेल

मुरादाबाद में विजिलेंस ने सहकारी समिति एवं ग्राम पंचायत के सीनियर लेखा परीक्षक और ऑडिटर संघ के प्रदेश अध्यक्ष अनिरुद्ध द्विवेदी को 50 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया। आरोप है कि मूंढापांडे ब्लॉक की पंचायतों के वित्तीय वर्ष के ऑडिट के नाम पर अधिकारी अजय कुमार रुपये मांगे थे। आरोपी केस दर्ज किया गया में विजिलेंस ने सहकारी ग्राम पंचायत के लेखा परीक्षक संघ का प्रदेश अध्यक्ष) उन्होंने सात ग्राम 2024-25 ग्राम पंचायत से तीन लाख के खिलाफ है।मुरादाबाद समिति एवं सीनियर (ऑडिटर अनिरुद्ध द्विवेदी को 50 हजार की घूस लेते गिरफ्तार किया है। विजिलेंस थाने में दर्ज रिपोर्ट के मुताबिक अनिरुद्ध ने मूंढापांडे ब्लॉक के ग्राम विकास अधिकारी अजय कुमार से उनके क्षेत्र की ग्राम पंचायतों का वित्तीय वर्ष 2024-25 का ऑडिट करने के नाम पर तीन लाख मांगे थे।रिश्वत की रकम के लिए पचास-पचास हजार की छह किस्तें तय की गईं थीं। बुधवार को रामगंगा विहार स्थित घर में सचिव से पैसा लेते हुए उसे गिरफ्तार किया गया है।विजिलेंस बरेली यूनिट के एसपी अरविंद कुमार ने बताया कि मुरादाबाद जिले के मूंढापांडे ब्लॉक के ग्राम पंचायत अधिकारी (सचिव) अजय कुमार ने बरेली स्थित कार्यालय में आकर 12 जनवरी को शिकायत दर्ज कराई थी।उन्होंने बताया था कि मूंढापांडे ब्लॉक के उनके कार्य क्षेत्र में दुपैड़ा, रनियाठेर, जगरामपुरा, लालपुर तीतरी, बीनावाला, हिरनखेड़ा और भीतखेड़ा ग्राम पंचायत आती हैं। विभाग के सीनियर लेखा परीक्षक अनिरुद्ध द्विवेदी ने उससे इन ग्राम पंचायतों के वित्तीय वर्ष 2024-25 का ऑडिट करने के लिए तीन लाख रुपये मांगे हैं।इस मामले की जांच के लिए एसपी विजिलेंस ने टीम गठित की और जांच कराई। जांच में आरोप सही पाए गए। आरोप पुष्ट होने के बाद प्लानिंग के तहत ग्राम विकास अधिकारी अजय कुमार ने ऑडिटर अनिरुद्ध द्विवेदी से फोन पर बात की। उसने कहा कि वह सिविल लाइंस के रामगंगा विहार स्थित अपने किराये के मकान में है। वहीं 50 हजार रुपये पहुंचा दें। अजय कुमार बुधवार दोपहर करीब डेढ़ बजे रामगंगा विहार स्थित अनिरुद्ध के घर पर पहुंचे और उसे 50 हजार रुपये दे दिए। जैसे ही रकम दी विजिलेंस टीम ने रंगे हाथ पकड़ लिया और कार में बैठा कर बरेली ले गए। आस पड़ोस के लोगों को भी भनक नहीं लग पाई। बताया जा रहा है कि अनिरुद्ध द्विवेदी उत्तर प्रदेश ऑडिटर संघ का प्रदेश अध्यक्ष भी है। एसपी विजिलेंस ने बताया कि इंस्पेक्टर अनिल कुमार, अंगद सिंह और कृपाल शंकर समेत 12 सदस्यों की टीम ने कार्रवाई की है। विजिलेंस के बरेली थाने में अनिरुद्ध के खिलाफ भ्रष्टाचार अधिनियम में प्राथमिकी दर्ज हुई है। अनिरुद्ध अंबेडकर नगर का रहने वाला है और परिवार लखनऊ में रहता है।

संक्षिप्त समाचार

घेराबंदी कर नशा तस्कर को किया गया गिरफ्तार, गांजा बरामद

ठाकुरद्वारा । कोतवाली पुलिस ने गश्त के दौरान घेराबंदी कर एक युवक को गांजे के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। कोतवाली पुलिस उपनिरीक्षक कुलदीप कुमार हैड कांस्टेबल प्रवीण कुमार, कांस्टेबल सचिन कुमार के साथ गश्त कर रहे थे। नागनाथ मंदिर की ओर जाने वाले मार्ग पर पुलिया के आगे एक संदिग्ध व्यक्ति को रोका गया। पुलिस को देखकर वह भागने लगा, जिस पर टीम ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। तलाशी लेने पर उसके पास से 910 ग्राम गांजा बरामद हुआ। पुलिस पूछताछ में पकड़े गए युवक ने अपना नाम राकेश पुत्र राजपाल निवासी रतूपुरा बताया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत मुकदमा दर्ज कर चालान किया और न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया हैं।

संभल में मस्जिद- मदरसों को बनाया जा रहा निशाना, सपा विधायक बोले- पहले नक्शे पास किए अब अवैध बता रहे अफसर

संभल से सपा विधायक इकबाल महमूद ने कहा कि जिले में मस्जिदों और मदरसों को निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जिन भवनों के नक्शे पहले पास किए गए अब अवैध बताया जा रहा है। उन्होंने कहा कि निर्माण गलत हैं तो उन अधिकारियों पर भी कार्रवाई होनी चाहिए जिन्होंने नक्शे पास किए।संभल से सपा के संभल विधायक इकबाल महमूद का कहना है कि जिले में मस्जिद, मदरसों को ही निशाना बनाया जा रहा है। अधिकारियों ने पहले विनियमित क्षेत्र से नक्शे पास कर दिए और अब अवैध बता दिए। ऐसी स्थिति संभल में पहले कभी नहीं देखी गई। बुधवार को उन्होंने मीडिया से बातचीत करते हुए एक सवाल के जवाब में कहा कि शाही जामा मस्जिद के नजदीक जो लोग रहते हैं, उनके पास विनिमयत क्षेत्र के नक्शे हैं और नगर पालिका को हाउस टैक्स अदा करते हैं। इसे नजरअंदाज क्यों किया जा रहा है।सरकारी जमीनों पर बनी मस्जिद, मदरसा और मकान-दुकानों की पैमाइश को लेकर विधायक ने कहा कि संभल में 50 साल से ऐसी स्थिति नहीं देखी, जैसी अब हो रही है। उन्होंने यह भी कहा कि अगर सब कुछ गलत है, तो उन अधिकारियों पर भी कार्रवाई होनी चाहिए जिन्होंने हाउस टैक्स वसूला और और नक्शे पास किए थे। आगे कहा कि मस्जिदों को निशाना बनाया जा रहा है। मस्जिद की मामूली मरम्मत भी नहीं की जा सकती है। उन्होंने कहा कि हम लोग हिंदुस्तान में पैदा हुए हैं और इससे प्यार करते हैं। हम सभी भाई हैं और मिलकर रहना चाहिए। आगे कहा कि कांग्रेस की भी सरकार रही है। इस समय ज्यादा ही अन्याय हो रहा है। बिछौली में प्रधान समेत पांच लोगों के घर पर चला बुलडोजर- ,संभल तहसील क्षेत्र के गांव बिछौली में ग्राम समाज की बीस बीघा भूमि पर अवैध कब्जा है। बुधवार को तहसीलदार के नेतृत्व में राजस्व विभाग की टीम पहुंची और प्रधान समेत पांच लोगों के मकानों पर बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया गया। तहसीलदार ने बताया कि न्यायालयों में चले मुकदमे में बेदखली के आदेश के बाद यह कार्रवाई की गई। बुधवार को तहसीलदार धीरेंद्र कुमार सिंह, नायब तहसीलदार, चार कानूनगो, 20 लेखपाल की टीम और दो बुलडोजर के साथ गांव बिछौली पहुंचे। साथ में आरआरएफ के जवान भी थे। गांव में जगह-जगह पर पुलिस कर्मियों और आरआरएफ को तैनात कर दिया गया। राजस्व विभाग की टीम ने लोगों से मकान खाली किए जाने के लिए कहा। लोग मकानों से सामान बाहर निकालने लगे। कुछ ने विरोध किया तो पुलिस ने समझा दिया। जिसके बाद बुलडोजर ने मकानों को तोड़ने का काम शुरू किया। कार्रवाई के दौरान सबसे पहले प्रधान अतीक का मकान तोड़ा गया। जिसके बाद अफलातून, भूरा, सज्जाद, शाने आलम के मकान को ध्वस्त किया गया।

बिछोली में ग्राम प्रधान सहित पांच ग्रामीणों के मकान किए ध्वस्त, अभी कई और घर टूटेंगे

जनपद में सरकारी जमीनों को कब्जामुक्त कराने के अभियान के तहत बुधवार को संभल में एक बार फिर बड़ा बुलडोजर एक्शन देखने को मिला। तहसीलदार धीरेंद्र कुमार सिंह के नेतृत्व में बिछोली गांव में सरकारी भूमि पर बने ग्राम प्रधान के मकान समेत पांच मकानों को ध्वस्त करा दिया। अभी इमामबाड़ा सहित कई अन्य मकान प्रशासन के निशाने पर हैं। 27 बीघा सरकारी जमीन खोजने के लिए 25 राजस्व कर्मियों की टीम ने गांव में घंटों तक भूमि की ने सरकारी जमीन कब्जामुक्त कराने के लिए पैमाइश का के बाहर जाकर खड़े हुए तो गांव के लोगों की समझ में नहीं है। कुछ ही देर में तहसीलदार धीरेंद्र कुमार सिंह के तहसीलदार की टीम गांव पहुंच गई। रैपिड रिएक्शन जवानों की तैनाती कर दी गई। दो-दो बुलडोजर लेकर कब्जाधारियों में हड़कंप मच गया। बुलडोजर को देखते पति अतीक अहमद ने विरोध किया, लेकिन प्रशासन ने सामान बाहर निकालने के लिए कुछ मिनट की मोहलत सामान निकालने में जुट गए। सामान निकल गया तब लगा। जब ग्राम प्रधान का मकान गिरने लगा तो बाकी तोड़ने के लिए चिन्हित सभी पांच मकानो में रहने वाले बुलडोजरों ने पहले ग्राम प्रधान का मकान जमींदोज को तोड़ना शुरु कर दिया। सवा तीन घंटे तक चली सरकारी जमीन को कब्जामुक्त करा दिया गया। एक तरफ चले बुलडोजर दूसरी ओर पैमाइश- संभल,अमृत विचार- बिछोली गांव में बुधवार को प्रशासन ने सरकारी जमीन को कब्जामुक्त कराने के लिए एक साथ दो मोर्चों पर कार्रवाई की। गांव के एक हिस्से में जहां सरकारी भूमि पर बने मकानों पर बुलडोजर चलता रहा, वहीं दूसरी ओर राजस्व विभाग की टीम ने पौने 27 बीघा सरकारी भूमि की पैमाइश की। इस दौरान 160 वर्ग मीटर सरकारी भूमि पर बने इमामबाड़े की भी नापजोख कर उसका नक्शा तैयार किया गया। राजस्व विभाग की टीम ने कुछ अन्य मकानों को भी चिन्हित किया है। अब इन सभी अवैध निर्माणों को लेकर एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार की जा रही है। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, रिपोर्ट के आधार पर आने वाले दिनों में गांव में एक बार फिर बड़ा बुलडोजर एक्शन हो सकता है।ट्रायल कोर्ट और अपीलेट कोर्ट के आदेश- तहसीलदार धीरेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि ग्राम सभा की अलग-अलग श्रेणियों की सरकारी जमीन जैसे स्कूल, पंचायत घर और खेल मैदान पर अवैध कब्जा कर मकान बनाए गए थे। इन मामलों में विभिन्न न्यायालयों में मुकदमे चले, जिनमें ट्रायल कोर्ट और अपीलेट कोर्ट दोनों के आदेश आ चुके हैं। जिन मामलों में अपीलेट कोर्ट से निर्णय हो चुका है, उन पर बेदखली और ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिन मामलों का निस्तारण हो चुका है, उन पर हर हाल में कार्रवाई होगी और बाकी अवैध निर्माणों की भी पैमाइश कर नियमानुसार कदम उठाए जाएंगे। ग्राम प्रधान पति बोले, जमीन खरीदी थी- ग्राम प्रधान पति अतीक अहमद ने कहा कि कोर्ट के आदेशों का वह सम्मान करते हैं। नोटिस मिलने के बाद उन्होंने अपील की थी, जो हाल ही में निरस्त हो गई है। उन्होंने दावा किया कि उन्होंने जमीन खरीदी थी और जिनसे खरीदी, उनकी मृत्यु हो चुकी है, लेकिन अब न्यायालय के आदेशों का पालन किया जा रहा है। वहीं, अवैध कब्जे में बने मकान पर कार्रवाई झेल रहे मुजाहिद ने पक्षपात का आरोप लगाते हुए कहा कि यदि कार्रवाई हो रही है तो सभी अवैध कब्जों पर समान रूप से होनी चाहिए। उन्होंने दावा किया कि वे लोग वर्षों से यहां रह रहे हैं और अब उनके सामने रहने का संकट खड़ा हो गया है। कब्जा मुक्त कराई जा रही जमीन- - पशुचर- 12 बीघा जमीन - उद्यान- 8 बीघा जमीन - खाद के गड्ढे- 4.5 बीघा जमीन - खेल का मैदान- सवा बीघा जमीन . स्कूल- आधा बीघा जमीन पंचायत घर- आधा बीघा जमीन -कुल पौने 27 बीघा जमीन

भारत-जर्मनी समझौते से मुरादाबाद को मिलेगा नया वैश्विक मंच

बदलते वैश्विक परिदृश्य में भारत-जर्मनी के बीच पिछले दिनों हुए समझौते से मुरादाबाद को नया वैश्विक मंच मिलेगा। पिछले दिनों गांधीनगर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जर्मन चांसलर ओलाफ शॉल्ज़ के बीच हुई उच्चस्तरीय बैठक के बाद हुए 19 समझौतों की उम्मीद है। पीतल, एल्यूमिनियम और कांच के उत्पादों होंगे।इस समझौते से वीजा-मुक्त यात्रा से व्यापार मेलों में बिना वीजा के जर्मनी की अल्पकालिक यात्रा कर सकेंगे, ऑर्डर मिलने की संभावना बढ़ेगी। मुरादाबाद हस्तशिल्प यह समझौते मुरादाबाद को वैश्विक मंच पर नई पहचान विशेष ध्यान देना होगा।उन्होंने बताया कि जर्मनी के साथ धातुओं की आपूर्ति में स्थिरता आएगी, जिससे उत्पादन और गुणवत्ता में सुधार होगा। जर्मन तकनीक और डिजाइन होगा। भारत-जर्मनी रक्षा और रेलवे सहयोग से औद्योगिक से मुरादाबाद के हस्तशिल्प उद्योग को नई दिशा मिलने के लिए यूरोपीय बाजार अब पहले से अधिक सुलभ भाग लेना आसान होगा। अब मुरादाबाद के कारोबारी जिससे अंतरराष्ट्रीय खरीदारों से सीधे संपर्क और नए निर्यातक संघ के अध्यक्ष नवेद उर रहमान ने कहा कि देंगे। हमें अब गुणवत्ता, समयबद्धता और ब्रांडिंग पर खनिज व्यापार सहयोग से पीतल, निकल और अन्य लागत नियंत्रित होगी। तकनीकी साझेदारी से डिज़ाइन सहयोग से यहां के उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार हस्तशिल्प उत्पादों को नए कॉरपोरेट ऑर्डर मिल सकते हैं। यूरोपीय संघ के साथ मुक्त व्यापार समझौते की दिशा में बढ़ते कदम मुरादाबाद के निर्यातकों के लिए शुल्क और नियमों की बाधाएं कम कर सकते हैं।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

ज्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

कमिश्नरी बार एसोसिएशन में सीमा दीक्षित निर्विरोध अध्यक्ष चुनी गईं

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। बार एसोसिएशन चुनाव के बाद अब कमिश्नरी बार एसोसिएशन के वार्षिक चुनाव के परिणाम भी घोषित कर दिए गए हैं। इन चुनावों में सीमा दीक्षित को सर्वसम्मति से निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया है।

सचिव पद के लिए कड़ा मुकाबला हुआ है। इसमें सुधीर सक्सेना ने जीत दर्ज की। नवनिर्वाचित कार्यकारिणी का कार्यकाल 31 दिसंबर 2026 तक रहेगा।

एल्डर कमेटी के चेयरमैन एडवोकेट सुबोध जौहरी ने बताया कि संविधान के अनुसार चुनाव की पूरी प्रक्रिया एल्डर कमेटी के सदस्य और चुनाव अधिकारी अरविंद भटनागर की देखरेख में शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। उन्होंने बताया कि पूर्व चेयरमैन पीसी सहगल के निधन के बाद उन्होंने यह जिम्मेदारी संभाली है। इस बार अधिकांश पदों पर निर्विरोध निर्वाचन हुआ, जबकि सचिव पद के लिए मतदान कराया गया। कमिश्नरी बार से जुड़े हैं 18 तहसीलों के वकील - चेयरमैन सुबोध जौहरी ने बताया कि कमिश्नरी बार का इतिहास बहुत पुराना है। बरेली मंडल की 18 तहसीलों के वकील इससे जुड़े हुए हैं। हालांकि यहां बैठने वाले वकीलों की संख्या कम दिखती है, लेकिन इनका प्रभाव पूरी कमिश्नरी की तहसीलों तक है। सीमा दीक्षित ने गिनाईं प्राथमिकताएं निर्विरोध अध्यक्ष चुनी गईं सीमा दीक्षित ने कहा कि उनकी प्राथमिकता बार और बेंच के बीच बेहतर सामंजस्य स्थापित करना है। उन्होंने कहा कि अधिवक्ताओं ने उन पर जो भरोसा जताया है, वह उस पर खरा उतरने का प्रयास करेंगी। अधिक से अधिक कार्य दिवसों में काम हो ताकि दूर-दराज की तहसीलों और गांवों से आने वाले वादकारियों को समय पर न्याय मिल सके और वे सुरक्षित अपने घर लौट सकें।

बरेली में ठंड जारी, दो दिन कोहरे का ऑरेंज अलर्ट, बारिश के आसार

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। तीन दिन तक ठंड ने रिकॉर्ड बनाया। इसके बाद बुधवार को लोगों को हल्की राहत मिली। रात का पारा 1.8 डिग्री बढ़त के बाद सामान्य से तीन डिग्री कम 4.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। बृहस्पतिवार को फिर मौसम बदल गया। सुबह से दोपहर एक बजे तक कोहरा छाया रहा। इसके बाद हल्की धूप खिली, लेकिन शीतलहर चलने से राहत नहीं मिली। लोग ठंड से ठिठुरते दिखे। न्यूनतम तापमान 3.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 4.3 डिग्री सेल्सियस कम रहा। मौसम विभाग ने 17 जनवरी तक कोहरे का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इसके बाद बारिश के आसार हैं। मौसम विभाग की ओर से जारी बुलेटिन के अनुसार, मंगलवार रात बर्फीली हवा से शहरवासी ठिठुरते रहे। देर रात घना कोहरा छाया जो बुधवार सुबह दस बजे तक हावी रहा। बरेली एयरपोर्ट, एयरफोर्स समेत शहर के बाहरी इलाकों में दृश्यता शून्य दर्ज की गई। फिर तेज हवा चलने से ठिठुरन बढ़ी। कोहरा छंटने से दृश्यता 20 से 200 मीटर तक पहुंच गई। बुधवार को अधिकतम तापमान सामान्य से 2.5 डिग्री कम 16.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ था। 18 जनवरी से मंडराएंगे बादल -आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के विशेषज्ञ अतुल कुमार के मुताबिक मध्य प्रदेश और राजस्थान पर मंडरा रहे विक्षोभ के असर से हवा की दिशा बदलेगी। इससे बर्फीली हवा का सितम थमेगा, पर 18 जनवरी से बादल मंडराएंगे। अनुकूल माहौल यानी निम्न वायुदाब का क्षेत्र बनने पर हल्की, तेज बारिश हो सकती है। इससे शीतलहर का असर तेज होने का अनुमान है।

मकर संक्रांति पर्व पर श्री हरि मंदिर पर खिचड़ी वितरण

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। श्रीहरि मंदिर मॉडल टाऊन मुख्यद्वार पर महा द्वादशी एवं मकर संक्रांति के पावन दिन पर सेवा में एक कदम और बढ़ाते हुए कड़कड़ाती ठंड में राहगीरों के लिए पुलाव वा आचार का वितरण हुआ ।

सेवा में मंदिर अध्यक्ष सुशील अरोड़ा,मॉडल टाऊन सोसाइटी अध्यक्ष वा मंदिर सचिव रवि छाबड़ा ,दीपक साहनी, गोविन्द तनेजा,राकेश कुमार आदि सेवा में उपस्थित रहे।

140 करोड़ से तैयार होगा रामगंगा दातागंज, योगी सरकार ने बजट को दी स्वीकृति

रामगंगा पुल बनने से बदायूं बरेली और लखनऊ आवागमन होगा सुदृढ़, बचेगा लोगों का समय

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा /बरेली। लखनऊ, शाहजहांपुर, बरेली से बदायूं होकर आगरा जाने वालों को योगी सरकार ने बड़ी सौगात दी है। बरेली और दातागंज के बीच रामगंगा नदी पर पर दातागंज में प्रस्तावित सेतु परियोजना के लिये 140 करोड़ रुपये के बजट की स्वीकृति दी गई है।

लंबे समय से अटकी इस परियोजना पर अब वित्तीय समिति की मंजूरी मिल चुकी है। शासनादेश जारी होते ही बजट आवंटन होगा और निर्माण प्रक्रिया को तेजी से आगे बढ़ाया जाएगा। पुल की मजबूती और भविष्य में बाढ़ के खतरे को ध्यान में रखते हुए आईआईटी रुड़की के विशेषज्ञ इंजीनियरों से विस्तृत तकनीकी अध्ययन कराया गया था। उनकी रिपोर्ट

में पुल की लंबाई बढ़ाने की सिफारिश की गई थी, जिसके आधार पर अब दातागंज सेतु की कुल लंबाई 850 मीटर तय की गई है। इससे पुल के साथ-साथ पहुंच मार्ग भी सुरक्षित रहेगा और आवागमन में किसी तरह की बाधा नहीं आएगी। 42 करोड़ की लागत से बना था 700 मीटर लंबा पुल- रामगंगा नदी पर 700 मीटर लंबा पुल पहले ही 42 करोड़ रुपये की लागत से बन चुका है और अप्रैल 2023 में उस पर आवागमन शुरू कर दिया गया था। हालांकि चार महीने बाद आई बाढ़ में पहुंच मार्ग क्षतिग्रस्त हो गया था, जिसके कारण पुल को बंद करना पड़ा। इस स्थिति के बाद शासन स्तर पर पूरे प्रकरण की गहन समीक्षा की गई और तकनीकी समाधान के साथ नए सिरे से परियोजना को आगे बढ़ाने का फैसला लिया गया। परियोजना को मंजूरी मिलने के बाद होगी टेंडर प्रक्रिया-लोक निर्माण विभाग के अधीक्षण अभियंता केके सिंह ने बताया कि सेतु के पुनर्निर्माण और विस्तार को लेकर तैयार किए गए एस्टीमेट पर वित्तीय समिति ने चरणबद्ध तरीके से परीक्षण किया और विभागीय अधिकारियों से आपत्तियों का निस्तारण कराया। सभी बिंदुओं पर संतोषजनक स्पष्टीकरण के बाद अब परियोजना को अंतिम मंजूरी मिल गई है। पुल के पूरा होने से बदायूं, बरेली और लखनऊ के बीच आवागमन पहले से अधिक सुगम और तेज होगा। यात्रियों का समय बचेगा और क्षेत्रीय आवागमन को मजबूती मिलेगी। नई तकनीक के प्रयोग से सेतु का निर्माण तेजी से किए जाने की योजना है और इसके लिए जल्द ही टेंडर प्रक्रिया शुरू करने की तैयारी की जा रही है।

यूपी बोर्ड परीक्षा में नया नियम, प्रवेश पत्र के साथ आधार कार्ड भी अनिवार्य, वरना नहीं मिलेगा प्रवेश

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। यूपी बोर्ड की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की परीक्षाओं को पूरी तरह नकलविहीन बनाने के लिए इस बार नए नियम बनाए गए हैं। बोर्ड की ओर से जारी नए दिशा-निर्देशों के मुताबिक, अब विद्यार्थियों को परीक्षा केंद्र में प्रवेश के लिए केवल प्रवेश पत्र दिखाना ही काफी नहीं होगा। उन्हें अपने साथ आधार कार्ड की मूल प्रति रखना अनिवार्य कर दिया गया है।

क्षेत्रीय बोर्ड कार्यालय के अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि फर्जी परीक्षार्थियों पर लगाम लगाने के लिए यह फैसला लिया गया है। यदि किसी विद्यार्थी के पास आधार कार्ड की मूल प्रति नहीं होगी, तो उसे केंद्र में प्रवेश मिलने में कठिनाई हो सकती है। इस सख्ती का उद्देश्य परीक्षा की शुचिता को बनाए रखना है।

सीसी कैमरों से लैस होंगे परीक्षा केंद्र -इस बार केवल शारीरिक जांच ही नहीं, बल्कि डिजिटल निगरानी पर भी जोर दिया जा रहा है। सभी परीक्षा केंद्र हाई-रिजॉल्यूशन सीसी कैमरों से लैस होंगे। इनकी सीधी मॉनिटरिंग कंट्रोल रूम से की जाएगी। सभी केंद्रों की जियो टैगिंग कराई गई है, ताकि केंद्रों की लोकेशन और वहां होने वाली गतिविधियों पर सटीक नजर रखी जा सके।

संवेदनशील और अति-संवेदनशील केंद्रों पर अतिरिक्त पुलिस बल और सचल दलों की तैनाती की जाएगी। क्षेत्रीय सचिव मुन्ने अली के अनुसार नकल मुक्त परीक्षा कराना हमारी प्राथमिकता है। तकनीक के इस्तेमाल और आधार की अनिवार्यता से फर्जीवाड़े की गुंजाइश खत्म हो जाएगी। विद्यार्थियों को सलाह दी जाती है कि वह परीक्षा से पहले अपने सभी जरूरी दस्तावेज तैयार रखें। हर गतिविधि पर नजर रखेंगे आंतरिक सचल दल- उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की 18 फरवरी से शुरू होने वाली हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की परीक्षाओं को पूरी तरह नकलविहीन और पारदर्शी बनाने के लिए जिला विद्यालय निरीक्षक ने कड़े निर्देश जारी किए हैं। आंतरिक सचल दलों का गठन किया जा रहा है। यह दल परीक्षा केंद्रों के भीतर हर गतिविधि पर पैनी नजर रखेंगे।

डीआईओएस डॉ. अजीत कुमार ने सभी केंद्र व्यवस्थापकों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि प्रत्येक केंद्र पर एक आंतरिक निरीक्षण दस्ता बनाया जाएगा। इस दस्ते की संरचना को लेकर विशेष नियम तय किए गए हैं। प्रत्येक दस्ते में कुल तीन सदस्य होंगे। दस्ते में कम से कम एक महिला अध्यापिका का होना अनिवार्य है, ताकि छात्राओं की तलाशी और गरिमा का पूरा ध्यान रखा जा सके। जिस विषय की परीक्षा हो रही होगी, उस विषय के शिक्षक को उस दिन सचल दल का हिस्सा नहीं बनाया जाएगा।

प्रवेश द्वार पर होगी लेयर चेकिंग - परीक्षा केंद्र के अंदर किसी भी प्रकार की पाठ्य सामग्री, मोबाइल फोन, कैलकुलेटर या अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण ले जाना पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। इसके लिए मुख्य द्वार पर ही छात्र-छात्राओं की सघन तलाशी ली जाएगी। केंद्र परिसर के अंदर किसी भी प्रकार की अनुचित सामग्री पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। डीआई

भाजपा एमएलसी के घर में घुसे दबंग, विरोध पर मैनेजर से अभद्रता

पुलिस ने पांच आरोपियों को पकड़ा

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / फरीदपुर, बरेली। बरेली के फरीदपुर कस्बा में झगड़े के दौरान एक युवक का पीछा करते दूसरे समुदाय के दबंग लोग बुधवार देर शाम विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) कुंवर महाराज सिंह के आवास में घुस गए। इसका विरोध करने पर दबंगों ने उनके मैनेजर से अभद्रता की। पुलिस ने दोनों पक्ष के पांच आरोपियों को हिरासत में लिया है। कस्बा के मोहल्ला फर्रखपुर निवासी पंचम यादव की सब्जी मंडी में मीट की दुकान है। वहीं पर गुड्डू अली की कॉस्मेटिक व चूड़ियों की दुकान है। पंचम और गुड्डू में बुधवार देर शाम किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया। आरोप है कि गुड्डू ने अपने 25 साथी बुला लिए। दबंगों के

चंगुल से छूटकर पंचम बचने के लिए करीब आधा किमी दौड़ा और एमएलसी के घर में घुस गया।

दबंगों ने की गाली गलौज - घर में बैठीं एमएलसी की पत्नी कामिनी सिंह व मैनेजर डिंपल सिंह ने पंचम यादव को पकड़ लिया। वह उसे पकड़कर बाहर ला रही थीं। इसी दौरान गुड्डू व उसके साथी भी एमएलसी के आवास में घुस गए। वे गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी देने लगे। एमएलसी की पत्नी व उनके मैनेजर ने हमलावरों के आवास में घुसने का विरोध किया। इस पर दूसरे समुदाय के दबंगों ने मैनेजर से अभद्रता की। इससे एमएलसी की पत्नी और मैनेजर घबरा गए। बरेली में बैठक छोड़कर घर पहुंचे एमएलसी- हमलावरों के साथ भीड़ को देखकर मैनेजर ने एमएलसी को फोन कॉल की। वह बरेली में मीटिंग में बैठे थे। उन्होंने इंस्पेक्टर फरीदपुर को कॉल कर अपने आवास पर जाने के लिए कहा। खुद भी मीटिंग छोड़कर घर के लिए निकले। पुलिस को देख हमलावर वहां से भाग गए। पुलिस ने पांच को हिरासत में ले लिया। गुड्डू व उसके अन्य साथियों की तलाश में पुलिस की पांच टीमें लगाई गई हैं।

एमएलसी कुंवर महाराज सिंह ने बताया कि वह बरेली में पार्टी संगठन की मीटिंग में थे। इस दौरान सूचना मिली कि घर पर कुछ दबंग घुस गए हैं। तब पुलिस को घटना के बारे में बताया। दबंगों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए कहा है। सीओ फरीदपुर के संदीप सिंह ने बताया कि पंचम यादव पक्ष के दो लोगों व गुड्डू पक्ष के तीन आरोपियों को हिरासत में लिया गया है। बाकी आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पांच टीमें लगाई गईं हैं। सीसी फुटेज से आरोपियों की पहचान भी की जा रही है

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

संभल हिंसा: तत्कालीन सीओ अनुज चौधरी समेत अन्य के खिलाफ दर्ज नहीं हुआ केस, हाईकोर्ट जाने की तैयारी में पुलिस

संभल हिंसा मामले में तत्कालीन सीओ अनुज चौधरी, कोतवाली प्रभारी अनुज तोमर सहित 22 पुलिसकर्मियों के खिलाफ कोर्ट के आदेश के बावजूद रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई है। संभल पुलिस मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती देने की तैयारी कर रही है। एसपी कृष्ण कुमार बिश्नोई का कहना है कि बवाल के दौरान पुलिस ने फायरिंग नहीं की और घायल युवक को लगी गोली पुलिस की नहीं थी।संभल के तत्कालीन सीओ अनुज चौधरी व तत्कालीन कोतवाली प्रभारी अनुज तोमर समेत 22 पुलिसकर्मियों के खिलाफ कोर्ट के आदेश पर रिपोर्ट दर्ज नहीं हो सकी है। बल्कि संभल पुलिस मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के आदेश के खिलाफ हाईकोर्ट में अपील दाखिल करने की तैयारी में जुटी है। एसपी कृष्ण कुमार बिश्नोई का कहना है कि हाईकोर्ट में अपील कर आदेश को निरस्त कराने की मांग करेंगे।क्योंकि पुलिस की ओर से बवाल में गोली ही नहीं चलाई गई थी। युवक को जो गोली लगी है, वह भी पुलिस की नहीं है। युवक के पिता ने निराधार आरोप लगाए हैं। संभल के तत्कालीन सीओ अनुज चौधरी का प्रमोशन हो चुका है और वह वर्तमान में फिरोजाबाद में एएसपी के पद पर तैनात हैं।संभल कोतवाली के तत्कालीन प्रभारी अनुज तोमर की तैनाती चंदौसी कोतवाली में है। अनुज चौधरी व अनुज तोमर को खग्गू सराय निवासी यामीन ने नामजद किया है। 15 से 20 अज्ञात पुलिसकर्मी अर्जी में बताए हैं। इन सभी पर बवाल में गोली चलाने का आरोप है। यामीन का यह भी आरोप है कि उसके बेटे आलम को पुलिसवालों की तीन गोलियां लगी हैं। बवाल में बेटे को आरोपी बनाया गया है, जबकि आलम ठेले पर बिस्किट बेचने का काम करता है और वह 24 नवंबर की सुबह भी बिस्किट बेचने के लिए ही निकला था। इस दौरान ही पुलिस ने गोली चलाई। जिसमें बेटा घायल हुआ। छिपकर उपचार कराया, तब कहीं जाकर जान बची। हालांकि यामीन के सभी आरोप डीएम और एसपी ने नकार दिए हैं। अधिकारियों का कहना है कि बवाल 7-45 बजे के भीड़ ने कर दिया था। ठेला जामा मस्जिद तक पहुंच नहीं सकता था। पुलिस-प्रशासन की थ्री लेयर सुरक्षा थी। ऐसे में ठेला लेकर युवक के पहुंचने का सवाल ही नहीं उठता है।पहले से ही दिव्यांग है आलम- 22 वर्षीय आलम की बहन रजिया ने बताया कि उनका भाई तो पहले से दिव्यांग है। तीन पहिया ठेले से बिस्किट बेचता है। गोली लगने के बाद किसी तरह जान तो बच गई है लेकिन शरीर पूरी तरह कमजोर हो गया है। बताया कि उनके परिवार की आर्थिक स्थिति भी कमजोर है। पिता के अलावा भाई भी कमाता था जिससे घर का खर्च चलता है। लेकिन इलाज में उधार तक हो गया है।यामीन की बेटी बोली-उन्हें धमकाया जा रहा- यामीन की बेटी रजिया ने बताया कि उनका भाई तो मजदूरी पेशा है। तीन गोलियां लगी थीं। बमुश्किल जान बची है। हमारी अधिकारियों ने सुनवाई नहीं की तो पिता कोर्ट पहुंचे। जहां से न्याय मिलने की उम्मीद है। एक वर्ष से हमारा पूरा परिवार परेशान है। घर पर पुलिस आती है और धमकाती है। हमारे पिता और भाई कहीं चले गए हैं। पूरा परिवार डरा हुआ है।

पीडब्ल्यूडी अधिकारी के रसोइया ने परात में जलाई आग, सुबह कमरे में मिली लाश, दम घुटने से मौत

बरेली में पीडब्ल्यूडी अधिकारी के रसोइया की मौत हो गई। वह बुधवार रात कमरे में परात में आग जलाकर सो गया था। बृहस्पतिवार सुबह उसका शव चारपाई पर मिला। आशंका है कि दम घुटने से रसोइया की मौत हुई है। बरेली में पीडब्ल्यूडी अधिकारी के रसोइया का शव बृहस्पतिवार को बंद कमरे में चारपाई पर मिला। घटना पीडब्ल्यूडी कॉलोनी के सरकारी आवास में हुई। बंद कमरे में रखी परात में राख मिली है। इससे माना जा रहा है कि रसोइया ने ठंड से बचाव के लिए परात में आग जलाई होगी, जिससे दम घुटने से उसकी मौत हो गई। छानबीन के बाद कोतवाली पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। अधीक्षण अभियंता केके सिंह का सरकारी आवास पीडब्ल्यूडी कॉलोनी में है। यहां अलीगंज के गांव ढकिया निवासी 50 वर्षीय वीरेंद्र सिंह रसोइया के रूप में काम करते थे। सरकारी आवास में ही अभियंता ने उन्हें अलग से कमरा दे रखा था। वीरेंद्र बुधवार रात खाना खाने के बाद सोने चले गए थे। उन्होंने एक परात में आग जला रखी थी। सुबह वह नहीं जागे तो केके सिंह ने उनके दरवाजे को खटखटाया।अंदर से बंद था कमरे का दरवाजा जवाब न मिलने पर अनहोनी की आशंका हुई। तब यूपी 112 को सूचना दी गई।

व्यापार मेला वाहनों पर टैक्स छूट से ग्वालियर-चंबल में व्यापार को मिलेगी नई रफ्तार

चैंबर ऑफ कॉमर्स ने सिंधिया और मुख्यमंत्री मोहन यादव का जताया आभार

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा /शिवपुरी। मध्य प्रदेश सरकार द्वारा श्रीमंत माधवराव सिंधिया व्यापार मेले में बिकने वाले वाहनों पर रजिस्ट्रेशन शुल्क एवं रोड टैक्स में छूट देने के निर्णय से ग्वालियर-चंबल अंचल के व्यापार और उद्योग को नई गति मिलेगी। इस महत्वपूर्ण निर्णय में सहयोग के लिए मध्य प्रदेश चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री सहित विभिन्न व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से भेंट कर आभार व्यक्त किया।

प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के समक्ष यह प्रस्ताव रखने और पत्र लिखकर समर्थन देने में केंद्रीय मंत्री सिंधिया की अहम भूमिका रही, जिससे व्यापारियों को बड़ी राहत मिली है। प्रतिनिधियों ने कहा कि टैक्स छूट से व्यापार मेले में वाहनों की बिक्री में उल्लेखनीय वृद्धि होगी, जिससे स्थानीय ऑटोमोबाइल डीलर्स, व्यापारी एवं सहायक उद्योगों को सीधा लाभ मिलेगा तथा रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।

इस अवसर पर चैंबर ऑफ कॉमर्स के पदाधिकारियों ने केंद्रीय मंत्री सिंधिया को चैंबर ऑफ कॉमर्स में पधारने का औपचारिक आमंत्रण भी दिया। केंद्रीय मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने प्रतिनिधिमंडल का आभार स्वीकार करते हुए कहा कि व्यापार और उद्योग किसी भी क्षेत्र के विकास की आधारशिला होते हैं। राज्य सरकार का यह निर्णय स्थानीय व्यापार को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने आश्वासन दिया कि केंद्र एवं राज्य सरकारें मिलकर व्यापार, उद्योग और रोजगार सृजन को निरंतर बढ़ावा देती रहेंगी।

भेंट के दौरान मध्य प्रदेश चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री, ऑटोमोबाइल डीलर एसोसिएशन, ग्वालियर मेला व्यापारी संघ एवं कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स ग्वालियर के वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे।

एक और कातिल पत्नी: प्रेमी ने घोंटा गला, फिर दोनों ने प्लान किया बड़ा नाटक; खून से लथपथ मिली थी टिंकू की लाश

टिंकू की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में उसकी मौत का कारण दम घुटने से होना बताया गया था। दूसरी ओर टिंकू के परिजनों ने भी उसकी पत्नी के चरित्र पर शक जाहिर करते हुए हत्या किए जाने की आशंका व्यक्त की थी। टिंकू की पत्नी संगीता को थाने में लाकर पूछताछ की गई तो उसने हत्या की बात स्वीकार कर ली। टिंकू की मौत ट्रेन की चपेट में आने से नहीं हुई थी। उसकी पत्नी ने प्रेमी के साथ मिलकर हत्या कराई थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हत्या की बात सामने आने पर पुलिस ने पत्नी व प्रेमी दोनों को गिरफ्तार कर लिया। प्रेमी ने लाल रंग के कपड़े से उसका गला घोंटकर हादसे का रूप देने के लिए रेल ट्रैक पर डाल दिया था। हत्या की जानकारी मिलने पर फील्ड यूनिट व फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल पर जाकर साक्ष्य एकत्र किए।खून से लथपथ था टिंकू का पूरा शरीर- यूपी के अमरोहा स्थित मंडी धनौरा के मोहल्ला अट्टा निवासी टिंकू (32) मजदूरी कर अपने परिवार का पालन पोषण करता था। उसका शव बुधवार की सुबह मंडी समिति के पीछे रेलवे ट्रैक के पास पड़ा मिला था। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था। टिंकू का शरीर खून से लथपथ था। माना जा रहा था कि टिंकू की मौत ट्रेन की चपेट में आने से हुई है। पूछताछ में टूट गई पत्नी-प्रभारी निरीक्षक बालेंद्र कुमार ने बताया कि टिंकू की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में उसकी मौत का कारण दम घुटने से होना बताया गया था। दूसरी ओर टिंकू के परिजनों ने भी उसकी पत्नी के चरित्र पर शक जाहिर करते हुए हत्या किए जाने की आशंका व्यक्त की थी। पूछताछ में उसने प्रेमी द्वारा टिंकू की हत्या किए जाने की बात स्वीकार की। पुलिस ने रात में ही दबिश देकर उसके प्रेमी नर सिंह उर्फ देव को उसके गांव मानपुर कोतवाली चांदपुर जनपद बिजनौर को गिरफ्तार कर लिया। मृतक के भाई राजकुमार की ओर से नर सिंह व संगीता के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। सिलाई के प्रशिक्षण के दौरान नर सिंह के संपर्क में आई थी संगीता-टिंकू की पत्नी संगीता कोतवाली चांदपुर के गांव सुंदरा की रहने वाली है। उसका प्रेमी नर सिंह भी सुंदरा गांव से सटे मानपुर का रहने वाला है। शादी से पहले संगीता बास्टा कस्बे में सिलाई सीखने जाती थी। इस दौरान वह नर सिंह के संपर्क में आ गई। दोनों में प्रेम प्रसंग हो गया। बीते 11 साल से दोनों के बीच प्रेम प्रसंग चल रहा था। साल 2020 में संगीता की शादी टिंकू के साथ हो गई। बताया जाता है कि नर सिंह ने संगीता पर शादी नहीं करने का दबाव बनाया था। लेकिन घर वालों के दबाव में संगीता ने टिंकू के साथ शादी कर ली। शादी के बाद भी दोनों का संपर्क बना रहा। टिंकू की गैरमौजूदगी में नर सिंह अक्सर यहां आकर संगीता से मिलता रहता था। पुलिस का कहना है कि टिंकू शराब पीने का आदी था।

ताज में तीन दिवसीय उर्स शुरू, शाहजहां और मुमताज की असली कब्रों को देख सकेंगे पर्यटक; फ्री प्रवेश

ताजमहल में तीन दिवसीय शाहजहां का उर्स बृहस्पतिवार से शुरू हो गया। इस दौरान पर्यटक मुगल बादशाह शाहजहां और मुमताज की असली कब्रों को देख सकेंगे। तीन दिन पर्यटकों का रहेगा।ताजमहल का तीन दिवसीय प्रवेश भी स्मारक में निशुल्क अकीदत और दोपहर 2 बजे में मुगल बादशाह शाहजहां और मुमताज की 371वां उर्स बृहस्पतिवार को साथ खोल दिया परंपरा के साथ शुरू हो गया। गुस्ल की रस्म ताजमहल स्थित शाहजहां संख्या में कब्रों का दरवाजा अजान के अवसर पर गया। उर्स के पहले दिन पर्यटकों के लिए अदा की गई, जिसमें बड़ी रहा।खुददामे जायरीन शामिल हुए। इस के अध्यक्ष हाजी दोपहर 2 बजे के बाद ताजमहल में प्रवेश निशुल्क ताहिरउद्दीन ताहिर ने बताया रोजा ताजमहल उर्स कमेटी कि शाहजहां का जश्ने उर्स मुबारक 15 जनवरी से शुरू होकर 17 जनवरी तक चलेगा। उर्स मुबारक के पहले दिन दोपहर 2 बजे से सभी पर्यटकों के लिए ताजमहल निशुल्क रहा। शाहजहां के मजार के दरवाजे पर आजान पढ़ने के बाद दरवाजा खोला गया। गुस्ल की रस्म अदा की गई। शाम 5 बजे तक दरगाह खुली रहेगी।वहीं मिलाद शरीफ भी किया जाएगा। 16 जनवरी 2026 दोपहर 2ः00 बजे से सभी पर्यटकों के लिए ताजमहल निशुल्क रहेगा। दरगाह पर संदल शरीफ गुलपोशी फातिहा पढ़ी जाएगी। इसके बाद कव्वालों द्वारा कव्वाली भी पेश की जाएगी। मुशायरा का आयोजन भी किया जाएगा। उर्स मुबारक के आखिरी दिन यानी 17 जनवरी 2026 को कुरान खानी पूरे दिन चादरपोशी का सिलसिला चलेगा। हिंदुस्तान की सबसे लंबी हिंदुस्तानी सतरंगी चादर का जुलूस हनुमान मंदिर सिद्दी गेट से होता हुआ ताजमहल के अंदर प्रवेश करेगा। हिंदुस्तान सतरंगी कपड़े की चादर इस बार 1620 मीटर की बनाई गई है। इस चादर के साथ लगभग 15 से 20 वीआईपी भी मौजूद रहेंगे। इन सभी लोगों के साथ कमेटी के वाइस प्रेसिडेंट रिजवानुद्दीन जुगनू साथ रहेंगे। वॉलिंटियरों की भी ड्यूटी इस बार लगाई गई है। शाहजहां के तीन दिवसीय उर्स मुबारक में आने वाले सभी पर्यटकों से अपील की गई है कि कोई भी ताजमहल परिसर में प्रतिबंध चीज ना लाएं, जिससे कि सुरक्षा कर्मियों को कोई दिक्कत आए। धूम्रपान, लाठी-डंडा ताजमहल परिसर में प्रतिबंधित हैं। 17 जनवरी 2026 को ताजमहल पूरे दिन निशुल्क रहेगा।

रामनगरी में मकर संक्रांति की धूमः रामलला को लगा खिचड़ी का भोग, ठंड में भी कम नहीं हुआ श्रद्धालुओं का उत्साह

मकर संक्रांति के अवसर पर रामनगरी अयोध्या में श्रद्धा, परंपरा और उत्सव का अद्भुत संगम देखने को मिला। ठंड के बावजूद श्रद्धालुओं का उत्साह और भक्ति भाव कम नहीं हुआ।मकर संक्रांति के पावन पर्व पर अयोध्या में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। राम मंदिर में भगवान रामलला को विधि-विधान से खिचड़ी का भोग अर्पित किया गया। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हुए विशेष पूजन के बाद श्रद्धालुओं के लिए दर्शन की व्यवस्था की गई।भोर से ही सरयू घाटों पर स्नान के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुटी। आस्था की डुबकी लगाने के बाद भक्त रामलला के दर्शन के लिए मंदिर की ओर बढ़ते नजर आए। ठंड के बावजूद श्रद्धालुओं का उत्साह और भक्ति भाव कम नहीं हुआ। श्रद्धालुओं ने मकर संक्रांति पर तिल, गुड़ और अन्न का दान कर पुण्य अर्जित किया। प्रशासन की ओर से भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। मठ-मंदिरों में मकर संक्रांति के अवसर पर विराजमान भगवान को खिचड़ी का भोग अर्पित किया गया। मकर संक्रांति के अवसर पर खिचड़ी के भोग के साथ रामनगरी में श्रद्धा, परंपरा और उत्सव का अद्भुत संगम देखने को मिला।

मणिकर्णिका घाट के पुनर्विकास को लेकर PM मोदी पर बरसे खरगे, ऐतिहासिक धरोहर मिटाने का आरोप

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने वाराणसी के मणिकर्णिका घाट के पुनर्विकास को लेकर नरेंद्र मोदी की आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि सौंदर्यीकरण के नाम पर सदियों पुरानी धार्मिक-सांस्कृतिक विरासत को नष्ट किया जा रहा है। इसके साथ ही ऐतिहासिक मूर्तियों को नुकसान पहुंचा है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने गुरुवार को वाराणसी के मणिकर्णिका घाट के पुनर्विकास को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि वे सिर्फ अपना नाम अंकित करने के लिए हर ऐतिहासिक धरोहर को मिटाना चाहते हैं खरगे ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा गुप्त काल में वर्णित और बाद में लोकमाता अहिल्याबाई होलकर द्वारा पुनर्स्थापित मणिकर्णिका घाट की दुर्लभ प्राचीन विरासत को जीर्णोद्धार के बहाने ध्वस्त करने का अपराध किया है, आगे कहा कि सौंदर्यीकरण और व्यवसायीकरण के नाम पर प्रधानमंत्री मोदी ने वाराणसी के मणिकर्णिका घाट पर सदियों पुरानी धार्मिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को ध्वस्त करने के लिए बुलडोजर चलाने का आदेश दिया है। नरेंद्र मोदी जी... आप हर ऐतिहासिक धरोहर को मिटाना चाहते हैं, नवीनीकरण का उद्देश्य घाट पर चिपकाना चाहते हैं। वह भी बस उस पर अपनी नामपट्टिका की पुनर्विकास योजना के तहत विध्वंस अभियान का स्वच्छता बनना है-जिला मजिस्ट्रेट- प्रदर्शनकारियों ने मणिकर्णिका घाट को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया है, जिसे विरोध किया है। अहिल्याबाई होलकर की एक शताब्दी पुरानी प्रतिमा बुधवार को कहा कि कलाकृतियों को संस्कृति विभाग जिला प्रशासन ने खारिज कर दिया है। जिला मजिस्ट्रेट सत्येंद्र कुमार ने द्वारा सुरक्षित कर लिया गया है। काम पूरा होने के बाद उन्हें उनके मूल स्वरूप में पुनः स्थापित कर दिया जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि इस नवीनीकरण का उद्देश्य घाट पर स्वच्छता और स्थान प्रबंधन में सुधार करना है, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में शवदाह होते हैं। पहले पानी, जंगल दिया, अब सांस्कृतिक विरासत की बारी- खरगे-खरगे के अनुसार, एक गलियारे के नाम पर छोटे-बड़े मंदिरों और तीर्थस्थलों को ध्वस्त कर दिया गया और अब प्राचीन घाटों की बारी है। विश्व का सबसे प्राचीन शहर काशी, आध्यात्मिकता, संस्कृति, शिक्षा और इतिहास का संगम है,जो पूरी दुनिया को आकर्षित करता है। क्या इन सबके पीछे का मकसद एक बार फिर अपने व्यापारिक सहयोगियों को लाभ पहुंचाना है? आपने पानी, जंगल और पहाड़ उन्हें सौंप दिए हैं, और अब हमारी सांस्कृतिक विरासत की बारी है।खरगे ने कहा देश की जनता के आपसे दो सवाल हैं- क्या विरासत को संरक्षित रखते हुए जीर्णोद्धार, सफाई और सौंदर्यीकरण नहीं किया जा सकता था? पूरा देश याद करता है कि कैसे आपकी सरकार ने बिना किसी परामर्श के महात्मा गांधी और बाबासाहेब अंबेडकर सहित महान भारतीय हस्तियों की मूर्तियों को संसद परिसर से हटाकर एक कोने में रख दिया था।, नवीनीकरण के नाम पर स्वतंत्रता सेनानियों के नाम मिटा दिया- खरगे उन्होंने दावा किया कि जलियांवाला बाग स्मारक में, इसी नवीनीकरण के नाम पर हमारे स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदानों को दीवारों से मिटा दिया गया था। उन्होंने पूछा कि मणिकर्णिका घाट पर सदियों पुरानी मूर्तियां, जो बुलडोजरों का शिकार हुईं, क्यों नष्ट कर दी गईं और मलबे में तब्दील कर दी गईं? क्या इन्हें किसी संग्रहालय में संरक्षित नहीं किया जा सकता था? आपने दावा किया था, %मां गंगा ने मुझे बुलाया है%। आज आप मां गंगा को भूल गए हैं। वाराणसी के घाट वाराणसी की पहचान हैं। क्या आप इन घाटों को आम जनता के लिए दुर्गम बनाना चाहते हैं? खरगे ने कहा कि लाखों लोग हर साल अपने जीवन के अंतिम चरण में मोक्ष प्राप्त करने के लिए काशी आते हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री से पूछा कि क्या उनका इन श्रद्धालुओं के विश्वास के साथ विश्वासघात करने का इरादा है। मंगलवार को शुरू हुए इस विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व पाल समाज समिति के सदस्यों ने किया। इसे मराठी समुदाय के कुछ वर्गों और अन्य स्थानीय समूहों का समर्थन प्राप्त था। समिति के महेंद्र पाल ने दावा किया कि विध्वंस अभियान के दौरान घाट पर स्थित होलकर की सौ साल पुरानी मूर्ति को हटा दिया गया। सनातन रक्षक दल के अध्यक्ष अजय शर्मा ने आरोप लगाया कि घाट पर स्थापित कई प्रतिष्ठित मूर्तियों को नुकसान पहुंचाया गया है, जिसे उन्होंने धार्मिक भावनाओं का अपमान बताया। मणिकर्णिका घाट को नष्ट करने का आरोपा लगया- कांग्रेस के उत्तर प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने भाजपा सरकार पर जीर्णोद्धार के नाम पर ऐतिहासिक मणिकर्णिका घाट को नष्ट करने का आरोप लगाते हुए इसे शहर की आत्मा और सनातन संस्कृति पर हमला बताया। मणिकर्णिका घाट हिंदू धर्म के सबसे प्राचीन और पवित्र श्मशान घाटों में से एक है और ऐसा माना जाता है कि यह %मोक्ष% प्रदान करता है, यानी जन्म और मृत्यु के चक्र से मुक्ति दिलाता है, जिससे इसका अत्यधिक धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व है।

छात्र की हत्या- कक्षा नौ का छात्र, उम्र 14 साल..., पड़ोस की किशोरी ने फोन कर बुलाया; फिर आई मयंक की खबर

देवबंद के गांव अलीपुरा में मयंक (14) का खून से लथपथ शव रेलवे ट्रैक पर पड़ा मिला। पिता ने पड़ोस में रहने वाले दंपती और उनकी बेटी समेत परिवार के पांच लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। देवबंद स्थित मोहम्मदपुर अलीपुरा गांव में कक्षा नौ के दलित छात्र मयंक (14) की हत्या कर दी गई। परिजनों ने हत्या का आरोप पड़ोसी गांव मेघराजपुर के एक परिवार पर लगाया है। आरोप है कि परिवार की एक किशोरी ने मयंक को आधी रात फोन कर बुलाया था। इसके बाद उसके परिजनों ने पीट-पीटकर और चाकू से गोदकर मयंक की हत्या कर दी। फिर शव को रेलवे ट्रैक पर फेंक दिया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर दंपती और उसके बेटे समेत पांच के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।घटना बृहस्पतिवार देर रात मोहम्मदपुर अलीपुरा गांव की है। पुलिस को दी गई तहरीर में रूपचंद ने बताया कि उनका बेटा मयंक नौवीं कक्षा का छात्र था। रात करीब 12.45 बजे मयंक के पास एक फोन आया, जिसके बाद मयंक घर से बाहर चला गया। कुछ समय बाद घर से थोड़ी दूर शोर-शराबा सुनाई दिया। परिवार के ही पप्पू ने आकर बताया कि तुम्हारे बेटे मयंक के साथ मेघराजपुर गांव का एक दंपती, उसका बेटा, बेटी व एक अन्य मारपीट कर रहे हैं। यह पता चलते ही मयंक के परिजन सड़क की तरफ दौड़े, लेकिन वहां पर मयंक नहीं मिला। थोड़ी दूर रेलवे ट्रैक पर मयंक का शव पड़ा मिला। आरोप है कि उसके पेट में चाकू के निशान थे और शरीर के अन्य हिस्सों पर भी चोट लगी थी। घटना की सूचना मिलते ही एसपी देहात सागर जैन, सीओ अभितेष सिंह भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। परिजनों ने आरोप लगाया कि फोन कर उनके बेटे को साजिश के तहत घर से बुलाया गया। इसके बाद उसकी हत्या कर शव फेंक दिया गया, जिससे आत्महत्या का मामला लगे। उधर, तनाव को देखते हुए गांव में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। यह बोले एसपी देहात- एसपी देहात सागर जैन ने बताया कि छात्र और किशोरी पहले से एक दूसरे को जानते थे।

टीकाकरण के कुछ घंटे बाद मासूम बच्चे की मौत

परिजनों ने पुलिस को दी सूचना, स्वास्थ्य विभाग करेगा जांच

क्यूँ न लिखूँ सच /प्रेमचंद जायसवाल /श्रावस्ती जिले के सिरसिया थाना क्षेत्र में टीकाकरण के कुछ घंटे बाद एक चार माह के मासूम बच्चे की मौत हो गई। घटना ग्राम पंचायत मसाहा कला के रामकरन पुरवा में हुई। बच्चे की मौत के बाद परिजनों ने पुलिस को सूचना दी।

मृतक बच्चे के पिता दुर्गा प्रसाद ने बताया कि उनका चार माह का बेटा था। बुधवार को संतोष कुमारी नामक एएनएम ने बच्चे का टीकाकरण किया था। टीका लगने के कुछ घंटे बाद ही बच्चे की तबीयत बिगड़ने लगी और उसकी मौत हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही सिरसिया थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने बच्चे के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। इस संबंध में डिप्टी सीएमओ श्रावस्ती ने बताया कि मामले की गहनता से जांच की जाएगी। जांच के बाद यदि एएनएम की लापरवाही पाई जाती है, तो उसके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

साइबर सुरक्षा को लेकर चलाया गया जनजागरूकता अभियान

क्यूँ न लिखूँ सच /प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती। तेजी से डिजिटल होती दुनिया में बढ़ते साइबर अपराधों की रोकथाम एवं नागरिकों को सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में थाना कोतवाली भिनगा द्वारा व्यापक साइबर सुरक्षा जनजागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम मे थाना कोतवाली भिनगा के दहाना तिराहा के पास साइबर सेल की टीम द्वारा एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में उपस्थित आम नागरिकों, को साइबर अपराधों की विविध विधाओं उनसे बचाव के उपायों एवं सतर्कता बरतने के तरीकों की जानकारी दी गई। इस जागरूकता अभियान का मुख्य उद्देश्य नागरिकों में साइबर सतर्कता की भावना विकसित करना एवं उन्हें यह समझाना था कि डिजिटल माध्यमों का सुरक्षित उपयोग कैसे किया जाए, ताकि किसी भी प्रकार की वित्तीय धोखाधड़ी, पहचान चोरी या ऑनलाइन ठगी से बचा जा सके। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों से संवादात्मक सत्र आयोजित किया गया जिसमें प्रतिभागियों के प्रश्नों के उत्तर दिए गए टीम द्वारा साइबर सुरक्षा पंपलेट्स भी वितरित किए गए। नागरिकों ने इस कार्यक्रम की सराहना करते हुए यह संकल्प लिया कि वे स्वयं भी अपने परिवार, मित्रों एवं आस-पड़ोस में साइबर जागरूकता का कार्य करेंगे।

62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल भिनगा में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया मकर संक्रांति का पर्व

क्यूँ न लिखूँ सच /प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती 62 वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल भिनगा में अमरेंद्र कुमार वरुण के नेतृत्व में पारंपरिक रूप से मनाया गया

%मकर संक्रांति का पर्व, छत्रपति शिवाजी स्टेडियम में भारत के विभिन्न राज्यों में मनाए जाने वाले महापर्व मकर संक्रांति, उत्तरायण, पोंगल, माघ बिहू, मकरविलक्कु, उत्तरायणी एवं लोहड़ी के अवसर पर एक भव्य एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के अंतर्गत पतंगबाजी, रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ तथा भारत के विभिन्न प्रांतों में मकर संक्रांति के अवसर पर बनाए जाने वाले पारंपरिक व्यंजनों के मेले का आयोजन किया गया।

व्यंजन मेले में भिन्न-भिन्न राज्यों की सांस्कृतिक झलक प्रस्तुत करते हुए राजस्थान से बाजरा चूरमा/खिचड़ी, पश्चिम बंगाल से पतिशप्ता, महाराष्ट्र से पुरणपोली, केरल से सुखियन, गुजरात से ढोकला तथा आंध्रप्रदेश से परान्नम जैसे पारंपरिक व्यंजन बनाए गए,

कार्यक्रम का शुभारंभ, श्रीमती प्रेरणा शर्मा, संदीक्षा अध्यक्षा, एवं अमरेन्द्र कुमार वरुण कमांडेंट 62 वीं वाहिनी द्वारा रिबन काटकर एवं पतंग उड़ाकर किया गया।

इस अवसर पर कमांडेंट एवं संदीक्षा अध्यक्षा के साथ द्वितीय कमान अधिकारी ललेंद्र रत्नाकर, वाहिनी के अधिकारीगण द्वारा सभी व्यंजन स्टॉलों का निरीक्षण किया गया।

कार्यक्रम के दौरान वाहिनी के कार्मिकों एवं संदीक्षा परिवार के बच्चों द्वारा लेजिम, बिहू, भांगड़ा, संगीत सहित अन्य आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी गईं,

जिनकी उपस्थितजनों द्वारा भूरि-भूरि प्रशंसा की गई।

कमांडेंट महोदय द्वारा सभी अधिकारियों, अधीनस्थ अधिकारियों एवं जवानों को पर्व की हार्दिक शुभकामनाएँ दी गईं। वहीं संदीक्षा अध्यक्षा द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेने वाले संदीक्षा परिवार के बच्चों को पुरस्कार वितरित किए गए।

इस अवसर पर समस्त वाहिनी अधिकारी, अधीनस्थ अधिकारी एवं जवान उपस्थित रहे। यह कार्यक्रम सौहार्द, एकता एवं सांस्कृतिक विविधता के संदेश के साथ अत्यंत हर्षोल्लासपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चांदनी बिहारपुर क्षेत्र में 108 एंबुलेंस सेवा ठप, खराब वाहन बना मरीजों की जान का दुश्मन

क्यूँ न लिखूँ सच /बिहारपुर-सूरजपुर जिले के पहाड़ी एवं सीमावर्ती क्षेत्र चांदनी-बिहारपुर में 108 एंबुलेंस सेवा पूरी तरह से बदहाल स्थिति में है। गंभीर मरीजों को समय पर चिकित्सा सुविधा नहीं मिल पा रही, जिससे क्षेत्र में लगातार अनहोनी की आशंका बनी हुई है।

108 हेल्पलाइन नंबर पर कॉल करने पर ग्रामीणों को बताया जाता है कि एंबुलेंस खराब है या फिर भैयाथान अथवा प्रतापपुर से एंबुलेंस भेजी जाएगी, जिसमें 2 से 3 घंटे का समय लग सकता है। गंभीर हालत में मरीजों के लिए यह इंतजार जानलेवा साबित हो रहा है।

सीमावर्ती क्षेत्र होने के कारण मोबाइल नेटवर्क की समस्या भी बड़ी बाधा बन रही है। कई बार 108 पर फोन लगाने पर कॉल मध्यप्रदेश में कनेक्ट हो जाता है, तो कई बार छत्तीसगढ़ में। सीमावर्ती मोबाइल टावरों की वजह से आपात सेवाओं से संपर्क में देरी हो रही है।

ग्राम पंचायत कोल्हुआ निवासी चिंतामन जायसवाल की तबीयत अचानक बिगड़ने पर परिजनों ने 108 पर फोन किया। पहले कॉल मध्यप्रदेश में कनेक्ट हुआ, कई प्रयासों के बाद छत्तीसगढ़ की 108 सेवा से संपर्क हुआ। वहां से बताया गया कि एंबुलेंस खराब है और दूसरी एंबुलेंस भैयाथान से भेजी जाएगी। गंभीर हालत में मरीज को करीब 3 घंटे तक इंतजार करना पड़ा, तब जाकर एंबुलेंस पहुंची।

इसी तरह 14 जनवरी को बिहारपुर क्षेत्र में राजकुमारी जायसवाल, स्वर्गीय रामखेलावन जायसवाल की पत्नी, की अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद मौत हो गई। समय पर चिकित्सा सुविधा नहीं मिलने को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश है।

इस मामले में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिहारपुर के प्रभारी सुरेश मिश्रा ने बताया कि 108 एंबुलेंस लगभग एक महीने पहले भैयाथान में खराब हो गई थी, जो अब तक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिहारपुर वापस नहीं आई है इसी कारण क्षेत्र में एंबुलेंस सेवा प्रभावित हो रही है।

ग्रामीणों का कहना है कि स्वास्थ्य केंद्र में एंबुलेंस नहीं होने से आपात स्थिति में मरीजों को निजी साधनों या दूरस्थ क्षेत्रों से आने वाली एंबुलेंस पर निर्भर रहना पड़ता है। कई गांवों में मोबाइल नेटवर्क इतना कमजोर है कि लोगों को पहाड़ी इलाकों में जाकर फोन करना पड़ता है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि बिहारपुर क्षेत्र में स्थायी 108 एंबुलेंस की तैनाती, नेटवर्क समस्या का समाधान, और स्वास्थ्य सेवाओं की नियमित निगरानी की जाए, ताकि भविष्य में किसी की जान व्यवस्था की लापरवाही की भेंट न चढ़े।

गहोई दिवस पर उरई में सम्मानित हुये ई राजीव रेजा,कोंच में गहोई समाज में खुशी की लहर

यह मेरा सम्मान नहीं बल्कि यह पूरे कोंच के समाज का सम्मान है ई राजीव रेजा

क्यूँ न लिखूँ सच / राजेंद्र विश्वकर्मा / कोंच(जालौन) धर्म शाला उरई में गहोई समाज सेवा समिति उरई द्वारा और स्व राम प्यारी देवी रेजा एजुकेशनल ट्रस्ट के जो विशिष्ट अतिथि मंचस्थ थे सेवा समिति से जुड़े राजीव रेजा को सम्मानित करने का कार्य किया है वहां मंडल ने माल्यार्पण के स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित मिलने के बाद कोंच में खुशी की लहर देखी गई है रेजा ने कहा कि यह मेरा सम्मान नहीं बल्कि यह समाज का सम्मान है उन्होंने पूरे आयोजक मंडल का आज बुधवार को गहोई नगर के अच्छे समाजसेवी डायरेक्टर ई राजीव रेजा पदाधिकारियों द्वारा ई के समाज के आयोजक किया है इस सम्मान इस अवसर पर ई राजीव सम्मान मेरे पूरे गहोई आभार भी जताया है

संक्षिप्त समाचार

सीओ परमेश्वर प्रसाद की अगुवाई में पैदल मार्च

क्यूँ न लिखूँ सच / पवन कुमार/कोंच(जालौन) आज पुलिस क्षेत्राधिकारी परमेश्वर प्रसाद की अगुवाई में कोंच में हाल ही में हुई गोकशी को लेकर आम जन मानस के आक्रोश को देखते हुए कस्बा कोंच में भारी पुलिस पीएसी बल्क साथ पैदल मार्च किया गया पुलिस क्षेत्राधिकारी परमेश्वर प्रसाद कोंच व प्रभारी निरीक्षक अजीत सिंह मय पुलिस फोर्स तथा पी ए सी के साथ मय डंडा बॉडी प्रोटेक्टर के साथ भीड़ भाड वाले तमाम स्थानों पे फुट मार्च किया गया इस अवसर पर अतिरिक्त इंस्पेक्टर लल्लूराम रावत एसएसआई विमलेश कुमार मंडी चौकी प्रभारी अभिषेक सिंह खेड़ा चौकी प्रभारी शिव नारायण वर्मा मंडी चौकी प्रभारी नीतीश कुमार दरोगा राम वीर सिंह दरोगा राजेश यादव दरोगा वीपी सिंह दरोगा बीपी तिवारी दरोगा अनुराग राजन दरोगा शुभम परमार सहित पुलिस पुलिस पीएसी बल मौजूद रहा

दिसंबर 2025 में भारत का निर्यात 1.87 प्रतिशत बढ़ा, 38.51 अरब डॉलर पर पहुंचा आंकड़ा

वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद दिसंबर 2025 में भारत का निर्यात सालाना आधार पर 1.87त्न बढ़कर 38.51 अरब डॉलर रहा। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल के अनुसार, भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता पर दोनों देशों के बीच बातचीत जारी है।वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारत के निर्यात में सकारात्मक रुझान बना हुआ है। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने गुरुवार को बताया कि दिसंबर 2025 में देश का मर्चेंडाइज निर्यात 1.87त्न बढ़कर 38.5 अरब डॉलर पहुंच गया।आयात में हुई बढ़ोतरी से व्यापार घाटा बढ़ा- इसी अवधि में आयात बढ़कर 63.55 अरब डॉलर हो गया, जो दिसंबर 2024 में 58.43 अरब डॉलर था। इसके चलते दिसंबर में व्यापार घाटा 25 अरब डॉलर दर्ज किया गया। अग्रवाल ने कहा कि वैश्विक आर्थिक चुनौतियों के बावजूद भारत का निर्यात लगातार सकारात्मक वृद्धि दर्ज कर रहा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि वित्त वर्ष 2025-26 में वस्तुओं और सेवाओं का कुल निर्यात 850 अरब डॉलर का आंकड़ा पार कर सकता है। कुल निर्यात बढ़कर 330.29 अरब डॉलर पहुंचा- आंकड़ों के मुताबिक, अप्रैल से दिसंबर 2025 के दौरान भारत का कुल निर्यात 2.44त्न बढ़कर 330.29 अरब डॉलर रहा, जो निर्यात क्षेत्र में मजबूती का संकेत देता है। इस बीच भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता को लेकर अग्रवाल ने कहा कि दोनों देशों के बीच बातचीत जा रही है। कुल निर्यात में आई मामूली गिरावट - उद्योग मंत्रालय के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, दिसंबर 2025 में भारत का कुल निर्यात 74.01 अरब डॉलर रहा, जो दिसंबर 2024 के 74.77 अरब डॉलर से मामूली रूप से कम है। वहीं आयात में एक वर्ष पहले के 76.23 अरब डॉलर से तीव्र वृद्धि दर्ज की गई और यह 80.94 अरब डॉलर तक पहुंच गया। देश का कुल व्यापार घाटा दिसंबर 2025 में बढ़कर 6.92 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया, जबकि पिछले वर्ष इसी महीने में यह 1.46 अरब अमेरिकी डॉलर था। व्यापार घाटे में वृद्धि मुख्य रूप से आयात में वृद्धि के कारण हुई, जबकि निर्यात साल-दर-साल आधार पर लगभग स्थिर रहा। इन आंकड़ों में वस्तुओं और सेवाओं के संयुक्त व्यापार को शामिल किया गया है।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच
को जिला एवं तहसील स्तर पर
ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन
प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

Ragi, wheat, or gram flour: Which roti is best for weight loss? Clear the confusion

Hot, puffed roti and a little ghee on it... the very mention of it makes your mouth water, doesn't it? But as soon as we talk about dieting or weight loss, this beloved roti is the first thing that comes to mind. We Indians are so fond of food that without roti, our stomachs are full, but our hearts are not. Then the game of confusion begins—gym trainers say "give up carbs," mom says "wheat roti is best," and the internet says "try ragi." You don't need to give up wheat to lose weight—gram flour roti has the highest protein content. Ragi is rich in fiber, which prevents overeating. Whether it's lunch or dinner, roti is considered a staple in Indian homes. But as soon as we start thinking about weight loss, the first question that comes to mind is, "Should I give up roti?" or "Which roti should I eat to lose weight faster?" Today, we'll clear up this confusion and reveal which flour—wheat, ragi, or gram flour—is best for your health and figure. Wheat Roti—We've been eating wheat roti since childhood. It's inexpensive and readily available, but from a weight loss perspective, it's high in carbohydrates. It also has a high glycemic index, which means that eating it causes a rapid increase in blood sugar levels, making you feel hungry quickly. If you're only eating wheat roti, losing weight can be a bit difficult. Ragi ki Roti - Ragi is considered a 'superfood' these days because it's a powerhouse of fiber. If you're serious about losing weight, ragi can be your best friend. It contains much more fiber than wheat. The advantage of fiber is that it takes longer to digest, keeping you full for longer and preventing overeating. Additionally, it's rich in calcium, which is excellent for your bones. Gram Flour Roti - Gram flour, or gram flour, is an excellent option for weight loss because it contains a good amount of protein. Protein helps burn fat and build muscle. Gram flour has a very low glycemic index, so it controls insulin levels and prevents fat accumulation. Who's the winner? - If we compare, both ragi and gram flour are better options than wheat. If you suffer from constipation and want to feel full, choose finger millet. If you work out and need protein, choose gram flour. The best approach is to avoid relying on just one flour. Indeed, you can make your own multigrain flour. For example, mix a little gram flour and finger millet with wheat flour. This will provide both flavor and help you lose weight faster.

The 5 benefits of adding a pinch of turmeric to milk will surprise you; joint pain won't bother you in winter.

With the arrival of winter, our grandmother's remedies begin to resonate in our homes, and 'turmeric milk' is at the top of the list. While it may be called 'golden milk' abroad, in India it has been considered a treasure trove of health for centuries. It provides natural relief from joint pain and swelling, protects against colds, strengthens the immune system, and is highly beneficial for deep and restful sleep. Some people often shy away from drinking turmeric milk due to its taste, but if you learn about its magical benefits, you'll start drinking it tonight. Let's explore the 5 major reasons (Turmeric Milk Benefits) why a pinch of turmeric can transform your health. A panacea for joint pain - Old pains often resurface in winter, especially knee and joint pain. Turmeric has natural anti-inflammatory properties, meaning it helps reduce swelling and pain in the body. Drinking turmeric mixed with warm milk every night acts as a natural painkiller and strengthens your bones. Colds and Coughs: Changing weather weakens immunity, making colds and coughs more likely. Turmeric milk generates warmth in the body and helps expel phlegm. Its antibacterial properties provide instant relief from sore throats and chest congestion. It strengthens you from within, making even minor ailments difficult to manage. This remedy is better than sleeping pills: Do you toss and turn all night and can't sleep? Instead of taking medications, try drinking turmeric milk tonight. Yes, the tryptophan in milk and the elements in turmeric calm the mind and reduce stress. You'll fall into a deep and restful sleep shortly after drinking it. A natural glow will appear on your face - Instead of applying expensive creams, it's better to cleanse your body from within. Turmeric is an excellent blood purifier. It removes toxins from the blood, reducing pimples and acne. Consuming it regularly gives your skin a unique glow, which looks more beautiful than any makeup. A fit stomach will keep you fit - In winter, we often eat fried foods, which can disrupt digestion. Turmeric milk helps improve the digestive system. It prevents problems like gas and indigestion. Furthermore, it boosts the body's metabolism, reducing the risk of weight gain during winter. There's no need to do much to stay healthy; simply add a pinch of turmeric to a glass of lukewarm milk and drink it before bed. This simple habit will keep you away from illness and pain during winter.

At the age of 22, the brain became like that of a 70-year-old man. Read the shocking story of this medical case.

We generally believe that dementia or amnesia only affects the elderly, but a tragic incident in England has completely changed this perception. This is the story of Andre Yarham, considered Britain's youngest dementia patient. He was diagnosed with the disease at the age of 22 and passed away at the age of 24. However, in his passing, Andre has given science new hope. Let's learn more about this rare medical case. Andre Yarham of England died at the age of 24. Dementia was first detected at the age of 22. The young man's brain resembled that of a 70-year-old in MRI. The case of Andre Yarham, Britain's youngest patient to experience dementia at the age of 22, may help researchers understand the causes of the disease in adolescence, protein accumulation, and the effects on brain cells. This could lead to the discovery of new treatments for rare cases, as it shows that dementia is not just a disease of old age and highlights the need for investment in brain research. Andre Yarham recently died from dementia at the age of 24. Yarham's family decided to donate his brain for research. This is an extraordinary gift, turning tragedy into hope for others. Andre Yarham, a resident of Norfolk, England, was only 22 years old when he was first diagnosed with dementia. According to MRI scans, Yarham's brain resembled that of a 70-year-old, which helped diagnose the disease. The family says he gradually began to forget things, sometimes having a blank expression on his face. In his later stages of life, he lost his language, could not care for himself, began behaving inappropriately, and became wheelchair-dependent. Biological causes behind frontotemporal dementia: Rare early cases like these suggest that dementia isn't just a problem of aging, but may also have biological causes that begin in childhood or adolescence. This is called frontotemporal dementia. Unlike Alzheimer's disease, which first affects memory, frontotemporal dementia attacks the parts of the brain involved in personality, behavior, and language. These areas are located in the frontal and temporal lobes, located at the back of the brain and above the ears. These areas help us plan, control impulses, understand speech, and express ourselves. When damaged, people may become introverted, impulsive, or unable to communicate. Frontotemporal dementia is a less common type of dementia, accounting for about one in 20 cases. It can appear in young people. In many cases, frontotemporal dementia has a strong genetic component. Variations in specific genes can disrupt brain cells' ability to process proteins. Instead of these proteins being broken down and recycled, they accumulate inside neurons (brain cells), interfering with their ability to function and survive. Over time, the affected brain cells stop functioning and die. As more cells are lost, the brain tissue itself shrinks. Why this process sometimes begins so early in life is still not fully understood. Brain scans performed while Yarham was alive revealed striking shrinkage. The brain had not "aged rapidly" in the typical sense. Instead, the disease had caused a large number of neurons to be lost in a short period of time. While the brain changes slowly in old age, aggressive dementia causes networks throughout the brain to collapse.

Tom Hiddleston embarks on a new mission, haunted by the past; a powerful series arrives on Prime Video

The second season of "The Night Manager" has been released on Prime Video after a decade. Based on John le Carré's novel, this espionage thriller, inspired by David Farr, continues nine years later. Set nine years later, officer is haunted by Roper's Learn the fascinating story. Fans' Manager" has finally returned those unaware, the show is based same name. David Farr adapted Although there is no sequel to the he had a dream on the night of le the series. The series will be ahead of the 10th anniversary of second season on Prime Video, known as Alex Goodwin. The betrayed Richard Roper (Hugh Syrian kidnappers. After the main character, Alex. Alex is haunted by his time with Roper from nightmares and horrific The first three episodes of the strengthening the relationship - whether you see it as a simple The Night Manager Season 2 is show of the week. As the season

Jonathan Pine (now Alex Goodwin) as an MI6 death. Three episodes have been released. much-awaited espionage thriller "The Night with a second season after nearly a decade. For on John le Carré's 1993 espionage novel of the the novel into a six-episode series in 2016. original novel, Farr revealed in an interview that Carré's death that prompted him to continue released after 10 years - In view of this, now the first season, the producers have released its which continues the story of Jonathan Pine, now story takes place nine years after Jonathan Laurie) in Egypt and handed him over to Richard's death, images of his dead body haunt now a low-level intelligence officer in MI6. Pine, and the abuse he endured, continues to suffer memories, yet he embarks on a new mission. series, released on Prime Video, focus on between Pine and Santos. A fun weekend watch thriller or a show that has lost its original form, undoubtedly the most talked-about television progresses, you'll be eager to see more of it. Fans will be eager to see if Jonathan Pine can recreate the magic of the first series or if the absence of the original villains has left a void that's impossible to fill. Overall, the second season of The Night Manager is a good choice for weekend viewing. It'll be interesting to see what the creators have in store for the next three episodes.

Dhurandhar is doing well on its 38th day, while 'The Raja Saab' is having a tough time surviving its first week.

Prabhas's much-awaited film 'The Raja Saab' had raised high expectations among audiences as a comeback after 'Baahubali'. Despite its big budget and comedy-horror genre, the film doesn't seem to be making first day, collections are lagging. The meantime. The way Prabhas made raised high expectations among the latest trend in comedy horror, film. While the opening was at the box office. The weekend trend struggling on its third day despite it it seems the negative comments are during Sankranti also deterred gave the film a strong opening day, with collections dropping by more Nizam. The first day's collection in second day, it fell to just ?20 crore. While the film opened with ?53.75 collection was only ?26 crore. As for ?20 crore so far. This brings the Saab is still being overshadowed by

significant box office gains. After a strong opening on the other Dhurandhar has added significant numbers in the his comeback after Baahubali with 'The Raja Saab' had audiences. A big-budget film, a strong supporting cast, and 'The Raja Saab' had everything needed to be a successful impressive, Prabhas' film tanked before completing a week for "The Raja Saab" is worrying, as the Prabhas-starrer is being a Sunday. The film received mixed reviews, and now having an impact. Meanwhile, the increased ticket prices audiences. Prabhas's stardom didn't help: Prabhas's stardom but cracks began to appear from the second day onward, than 50 percent, even in the superstar's strongest region, the Telugu states was approximately ?45 crore, but on the What is the third day's collection?
crore across all languages ??on its first day, its second the third day, "The Raja Saab" has only managed to collect film's total collection to ?108.90 crore. Meanwhile, The Raja Dhurandhar, who refuses to give up even after its 38th day. Tough competition from Dhurandhar - If we look at Dhurandhar's collection, the film has collected ?5.41 crore on its 38th day. This figure is expected to increase further as there are no major releases around the corner before Border 2. This horror comedy also stars Prabhas, Sanjay Dutt, Boman Irani, Nidhi Agarwal, Malavika Mohanan, Riddhi Kumar, and Zarina Wahab. Raja Saab is produced by TG Vishwa Prasad, Kriti Prasad, and Ishaan Saxena under their banners People Media Factory and IVY Entertainment.

Anushka Sharma's daughter Vamika turns 5; the actress wrote on her birthday, "I'm back to that me..."

Anushka Sharma and Virat Kohli are raising their children away from the limelight. Recently, the couple's daughter turned five, and on this special occasion, the actress shared a heartfelt post on social media. Anushka is raising her been away from the Anushka Sharma has years. Along with films, limelight. She is living a her husband Virat Kohli active on social media. and avoids sharing their hesitate to share her post on her daughter Vamika's birthday - Vamika turned 5 on the actress reshared a beautiful journey of exhaustion, growth and leaves you unchanged. you in ways that matter. emphasizes letting Sharma say about post. In a post on her important her daughter "And I wouldn't want to

Anushka and Virat's daughter turns 5 - daughter in London - Anushka Sharma has industry for 7 years. B-town's talented actress been away from the big screen for the past 7 she has also distanced herself from the life away from the limelight in London with and children. Anushka Sharma is also less She keeps her children away from the limelight photos. However, sometimes she does not feelings. Recently, Anushka shared a sweet Vamika Kohli's birthday. Anushka's post on Anushka Sharma and Virat Kohli's daughter January 11, 2026. On her daughter's birthday, post on her Instagram story that expresses the motherhood, which is filled with love and sadness. Motherhood brings a change that The post reads, "Becoming a mother changes You don't have to be the same." The post also motherhood change you. What did Anushka motherhood? Anushka Sharma relates to this daughter's birthday, she expressed how is to her. The actress reshared it and wrote, go back to the me who didn't know you, my baby. January 11, 2021." What is Anushka Sharma doing now? Vamika Kohli turned 5 on Sunday. She was born on January 11, 2021. The couple also has a son named Akay. Anushka gave birth to Akay on February 15, 2024. Currently, the actress is living her life with her husband and children in London, away from the limelight and the industry. She is going to be seen in Jhulan Goswami's biopic Chakda Express, but there is no update on when this film will be released.